INDEX

(1)

Name : ______ Roll No. : ______ University Roll No. : ______

Title : ______

S. No.	TOPIC	Page No.	Date	Teacher's Sign. Remark
	I MICRO LESSON			
1.	खनिज	1-2		
2.	खनिज	3-4		
3.	वायुमंडल	5-6		
4.	वायुमंडल की परते	7-8		
5.	जल	9-10		

INDEX

(2)

Name : ______ Roll No. : ______ University Roll No. : ______

Title : ______

S. No.	TOPIC	Page No.	Date	Teacher's Sign. Remark
	(MEGA LESSON)			
1.	पर्यावरण	11-18		
2.	जलवायु	19-25		
3.	वन	26-32		
4	झील			
5	पृथ्वी की आंतरिक संरचना			

INDEX

(3)

Name : ______ Roll No. : ______ University Roll No. : ______

Title : ______

S. No	TOPIC	Page No.	Date	Teacher's Sign. Remark
	[DISCUSSION. LESSON]			
1.	मृदा (मिट्टी)	33-38		
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				
11.				
12.				
13.				
14.				
15.				

INDEX

(4)

Name : ______ Roll No. : ______ University Roll No. : ______

Title : ______

S. No.	TOPIC	Page No.	Date	Teacher's Sign. Remark
	[REAL TEACHING LESSON]			
	हमारा सौरमण्डल	39-46		
	ज्वार भाटा	47-53		
	भूकम्प	54-60		
	झील	61-67		
	पृथ्वी की आंतरिक संरचना	68-73		
	ब्राह्मण्ड	74-79		
	ग्लोब	80-85		
	खनिज सम्पदा	86-92		
	संसाधन	93-98		
	पृथ्वी की गतिया	99-104		
	कृषि	105-109		
	उद्योग-धन्धे	110-116		
	रेगिस्तान मे जीवन	117-121		
	भारत का भौतिक स्वरूप	122-129		
	नदियाँ	130-134		

INDEX

Name : ______________ Roll No. : __________ University Roll No. : __________

Title : ______________

S. No.	TOPIC	Page No.	Date	Teacher's Sign. Remark
	[OBSERVATION LESSON]			
1.	वर्षा	136		
2.	संज्ञा	137		
3.	त्रिभुज का क्षेत्रफल	138		
4.	लेंसो के प्रकार	139		
5.	कृषि	140		
6.	प्रदूषण समस्या	141		
7.	प्रकाश की किरणे	142		
8.	Equations Sums	143		
9.	सर्वनाम के भेद	144		
10.	लाह की चुड़िया	145		
11.	Noun	146		
12.	वायु	147		
13.	ऊर्जा	148		
14.	संसाधन	149		
15.	सुरदास के पद	150		
16.	जलवायु	151		
17	त्रिभुज के क्षेत्रफल	152		
18	संज्ञा	153		
19	सर्वनाम	154		
20	जलवायु	155		

Register of Daily Attendance of the Gyan Bharti Public School Indri for the month of

Sl. No.	Admission No.	Student Aadhar & I.D. No.	Class / Section / NAME OF SCHOLAR	DAYS OF THE MONTH (1–31, 1st Mtg / 2nd Mtg)	No. of attendance for the month	No. of attendances brought forward	Total No. of attendances	FEES: Admission Rs.	Tuition Fees Rs.	Surcharge Rs.	Rs.
1.			Harshika	P P P P P P P P … SUNDAY … SUNDAY … SUNDAY … HOLIDAY … SUNDAY …							
2.			Khushi	P …							
3.			Priya	P …							
4.			Divya	P …							
5.			Amrita	P …							
6.			Sneha	P …							
7.			Aakashi	P …							
8.			Swati	P …							
9.			Simran	P …							
10.			Nandini	P …							
11.			Jaya	P …							
12.			Tanisha	P …							
13.			Bhumi	P …							
14.			Bharti	P …							
15.			Payal	P … A A …							
16.			Anushka	P …							
17.			Nikita	P …							
18.			Aashi	P …							
19.			Anaya	P …							
20.			Aakriti	P …							
			Twinkle	P …							
			Naman	P …							
			Dev	P …							
			Ishant	P …							
			Parul	P …							
			Aarit	P …							
			Daksh	P …							
			Naina	P … A A …							
			Shruti	P …							
			Shrishti	P …							
			Sejal	P …							

scholars at the beginning of the month ....
at the close of the month ....
School meetings during the month ....
o. of attendances at the end of the month
e attendances during the month ....
he month Boys struck off ....
New Admission ....
urists ....
iculturists ....
SON Total

Amount realised and credited

Instal ments	Fees	Surcharge	Add Fees	Games Fund	R.R. Mag. Fund	A.V. Fund	R. Gross & S.F. etc.	Med. Fund	Exam.& Printing Fund	Fine Fund		Total Rs. P.	Received
1st													
2nd													
3rd													

Brahmans fees of
.... Boys 1st Grade
Non-Brahmans 2nd
Sikhs .... Half rate of poverty ....
Mohammadan .... Half for other causes ....
Others .... Free for poverty ....
Villagers .... Free Teacher's Son ....
Harijans .... Free for other causes ....
Total

No. of Boys struck of during the month of ....

School Timetable

Monday	Hindi	English	Math	Science	S.S.T	Geo	SKT
Tuesday	"	Hindi	"	Geo	"	"	"
Wednesday	"	"	Hindi	"	Geo	"	"
Thursday	Hindi	"	Geo	"	"	"	"
Friday	"	"	"	"	Hindi	"	Geo
Saturday	"	"	"	Hindi	"	Geo	"

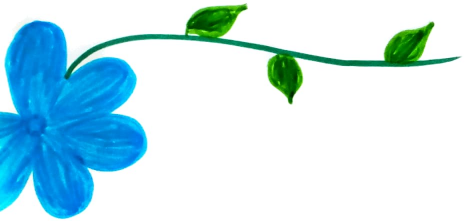

MICRO LESSON

पाठ योजना - 1

Title ______ Date ______ Page No. 1

कक्षा :- आठवीं　　समय :- 5-7 मिनट
विषय :- भूगोल
उपविषय :- खनिज

प्रस्तावना कौशल

SR	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
1	भारत की अर्थव्यवस्था किस पर आधारित है?	कृषि
2	ऋतुओं के आधार पर कौन-कौन सी कृषि फसलें होती हैं?	रबी, खरीफ, जायद
3	किन्हीं दो रबी फसलों के नाम बताइए।	गेंहु, जौं
4	गेंहु, जौं आदि हम किस पर उगाते हैं?	भूमि
5	भूमि के अन्दर व्याप्त पदार्थों को क्या कहते हैं?	खनिज
6	खनिजों के बारे में आप क्या जानते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- अच्छा बच्चों आज हम खनिज के बारे में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे।

निर्धारण मापनी

SR	घटक	रेटिंग					
1	पूर्व ज्ञान का प्रयोग	1	2	3	4	5	6
2	छात्रो द्वारा उत्तर	1	2	3	4	5	6
3	उपयुक्त तकनीकी का प्रयोग	1	2	3	4	5	6
4	प्रश्नों मे गत्यात्मकता	1	2	3	4	5	6
5	उचित समयावधि का प्रयोग	1	2	3	4	5	6
6	उचित क्रमबद्धता	1	2	3	4	5	6
7	विद्यार्थियों मे रूचि, प्रेरणा उत्पन्न करने की योग्यता	1	2	3	4	5	6

पाठ योजना -2

कक्षा :- सातवीं समय :- 5-7 मिनट
विषय :- भूगोल
उपविषय :- खनिज

व्याख्या कौशल

SR	अध्ययनबिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
1	खनिज	व्याख्या :- भुपर्पटी मे प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले तत्व और उनके यौगिको को खनिज कहते है जैसे :- हेमेटाइट चूना पत्थर, क्रोमियम बॉक्साइट और तॉबा, लोहा, सोना, सीसा आदि। अतः भूवैज्ञानिक 2000 खनिजो का पता लगा चुके है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगी
2	खनिजो के प्रकार	खनिजो को तीन भागों मे बांटा गया है :- (1) धात्विक खनिज (2) अधात्विक खनिज (3) उर्जा खनिज।	तथा बच्चे आवश्यक बातों को कॉपी मे नोट करेंगे
3	धातु खनिज	धात्विक खनिज वे होते है जिसमे धातु के अंश पाए जाते है। इसका रूप बदलकर अन्य वस्तु बनाई जा सकती है।	
4	अधात्विक खनिज	वे खनिज जिसमे धातु के अंश नही पाए जाते है।	ध्यान पूर्वक सुनेगे

Title Date

Page No. 4

		इनके दो टुकड़े हो जाते है। जैसे :- अभ्रक, नमक ।
5	ऊर्जाखनिज	वे खनिज जिससे हमें ऊर्जा मिले, ईधन मिले । जैसे :- कोयला, पट्रोलियम प्राकृतिक गैस

निर्धारण मापनी

SR	घटक	रेटिंग
1	प्रस्तावनात्मक कथनों का प्रयोग	1 2 3 4 5 6
2	निष्कसात्मक कथनो का प्रयोग	1 2 3 4 5 6
3	व्याख्या संतुओ का प्रयोग	1 2 3 4 5 6
4	तकनीकी शब्दो की परिभाषा	1 2 3 4 5 6
5	विर्धार्थियों के लिए रोचकता	1 2 3 4 5 6
6	दृश्य प्रतिधियों का प्रयोग	1 2 3 4 5 6
7	सभी बिन्दुओं को समेटना	1 2 3 4 5 6

DELTA®

पाठ योजना - 3

Title Date

Page No. 5

कक्षा :- सातवीं समय :- 5-7 मि

विषय :- भूगोल

उपविषय :- वायुमण्डल

प्रश्न - कौशल

प्रकरण - वायुमण्डल

SR	छात्रा ध्यापिका क्रिया	छात्रक्रिया
1	हमारी पृथ्वीकेचारों ओर गैसों के आवरण को क्या कहते है	वायुमण्डल
2	वायुमण्डल में मुख्य रूप से कौन-कौन सी गैस पाई जाती है।	CO_2, नाईट्रोजन, आर्गन, आक्सीजन
3	वायुमण्डल में सबसे अधिक मात्रा कौन सी गैस पाई जाती है।	नाइट्रोजन (78%)
4	ऑक्सीजन वायुमण्डल मे कितने Km तक फैली है ?	64 Km
5	वायुमण्डल मे सबसे कम मात्रा मे कोनसी गैस पाई जाती है।	ओजोन
6	सुर्य की पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करने वाली गैस?	ओजोन
7	जल वास्प किसे कहते है ?	अत्यधिक ताप के कारण जब जल भाप बनकर वायुमण्डल मे प्रवेश करता है तो उसी गैसीय द्रव्य को जलवाष्प कहते है।

DELTA®

Title
Date
Page No. 6

निर्धारण मापनी

	घटक	रेटिंग					
1	प्रश्नों की प्रासंगिकता	1	2	3	4	5	6
2	प्रश्नों की स्पष्टता	1	2	3	4	5	6
3	प्रश्नों की व्याकरणिय शुद्धता	1	2	3	4	5	6
4	प्रश्नो का स्तर	1	2	3	4	5	6
5	प्रश्नो की प्रवाहयता	1	2	3	4	5	6
6	प्रश्नो की अनावश्यक पुनरावर्ती	1	2	3	4	5	6
7	प्रश्न पुछने की प्रक्रिया मे आवश्कतानुसार विराम देना	1	2	3	4	5	6
8	प्रश्नों का विभाजन (क) उत्सुक विद्यार्थियों से पुछना (ख) अनुत्सुक विद्यार्थियो से पुछना	1	2	3	4	5	6

DELTA®

पाठ योजना -4

Title
Date
Page No. 7

कक्षा :- सातवीं
विषय :- भूगोल
उपविषय :- वायुमण्डल

समय :- 5-7

उदाहरण कौशल

वायुमण्डल की परतें

SR	छात्राध्यापिका क्रिया	विद्यार्थी क्रिया
1	तापमान के आधार पर वायुमण्डल की परतो को पांच भागों में बाटा गया है। (i) क्षोभ मण्डल :- ऊँचाई - 13 Km ऊ के तापमान कम होता है। मौसमी घटनाए होती है। सद्यत परिवर्तन होते है। (ii) समताप मंडल :- ऊंचाई 50 Km इसमें ओजोन परत पाई जाती है। तापमान समान रहता है वायुयान चालकों के लिए उचित है। (iii) मध्य मण्डल :- ऊंचाई 80 Km तापमान कम होता है। उल्का पिंड को पृथ्वी पर आने से रोकती है। (iv) आयन मण्डल :- 640 Km तापमान अधिक रेडियो तरंगो की पृष्ठ पर परवर्तित करती है	बच्चे ध्यान से सुन रहे है। तथा आवश्यक बिन्दुओं को कॉपी मे नोट करेगे

DELTA®

Title ______ Date ______ Page No. 8

(v) बर्हिमण्डल :- ऊँचाई 10,000
हिलियम व हाईड्रॉजन गैस की प्राप्त होती है।

निर्धारण मापनी

घटक	रेटिंग
1. ~~लेखन की स्पष्टता~~ सार्थक उदाहरणों का निर्माण	1 2 3 4 5
2. सरल उदाहरणों का निर्माण	1 2 3 4 5
3. उचित माध्यम का प्रयोग	1 2 3 4 5
4. आगमन - निगमन उपागम का निर्माण	1 2 3 4 5
5. रोचक उदाहरणों का उपयोग	1 2 3 4 5

DELTA®

पाठ योजना - 5

Title ______ Date ______ Page No. 9

कक्षा :- आठवी
विषय :- भूगोल
उपविषय :- जल
समय :- 5-7 मिनट

उद्दीपन परिवर्तन कौशल

जल

क्र°स°	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
1.	हम किस ग्रह पर रहते है ?	पृथ्वी ग्रह पर
2.	पृथ्वी को नीला ग्रह क्यों कहते है ?	जल की अधिकता के कारण
3.	जल कहाँ-कहाँ पाया जाता है ?	नदी, झील, तालाब, समुद्र, महासागर आदि
4.	समुद्र और नदी आदि को जल कैसे मिलता है ?	वर्षा
5.	वर्षा कैसे होता है ?	कोई उत्तर नही

DELTA®

निर्धारण मापनी

	घटक	रेटिंग				
1	अनुबोधन	1	2	3	4	5
2	अग्रिम सूचना प्राप्ति	1	2	3	4	5
3	पुन: केन्द्रित तकनीकि	1	2	3	4	5
4	पुन: निर्देशन तकनीकि	1	2	3	4	5
5	समीक्षात्मक ज्ञान वृद्धि	1	2	3	4	5

MEGA LESSON

Title पाठ योजना -1 Date
Page No. 11

कक्षा :- सातवीं समय :- 35 मिनट
विषय :- भूगोल
उपविषय :- 'पर्यावरण'

सामान्य उद्देश्य :-

1 छात्रो को भौगोलिक सिद्धान्तों एवं तथ्यो से परिचित करना।
2 छात्रो को प्राकृतिक परिस्थितियो से अनुकूलन के लिए प्रशिक्षित करना।
3 छात्रो को विश्व नागरिकता का प्रशिक्षण देना।
4 छात्रो मे स्वदेश प्रेम की भावना को जाग्रत करना।
5 छात्रो की मानसिक शक्तियो का विकास करना।
6 छात्रो को अवकाश के क्षणो का सदुपयोग करने के सयोग्य बनाना।
7 छात्रो मे भूगोल के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

1 ज्ञानात्मक उद्देश्य :- i) विद्यार्थी पर्यावरण के बारे मे जान सकेंगे।

ii) विद्यार्थी को पर्यावरण के प्रकार के बारे मे ज्ञान होगा।

2 बोधात्मक उद्देश्य :- i) पर्यावरण की व्याख्या कर सकेंगे।

ii) प्राकृतिक पर्यावरण का ज्ञान होगा।

DELTA®

Date
Page No. 12

3 **क्रियात्मक उद्देश्य** :- छात्र पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर सकेंगे।

पूर्वज्ञान :- विद्यार्थी पर्यावरण के बारे में समान्य जानकारी रखते है।

सहायक सामग्री :- चार्ट, श्यामपट्ट

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र० स०	छात्राध्यापिका कथन	छात्र / छात्रा कथन
1	यदि किसी व्यक्ति को चोट लग जाती है तो उसे कहाँ ले जाते है?	अस्पताल मे।
2	अस्पताल में कौन उसका इलाज करता है।	डाक्टर
3	डाक्टर बनने के लिए क्या करना पड़ता है?	पढ़ाई
4	पढ़ाई के लिए कहाँ जाना पड़ता है?	विधालय
5	विधालय में क्या-क्या दिखाई पड़ता है?	पंखे, लाइट, पेड़-पौधे ब्लैक बोर्ड आदि
6	पंखे, लाइट पेड़-पौधे ये जो भी चारो तरफ दिखाई पड़ता इसे किस नाम से जानते?	पर्यावरण
7	पर्यावरण के बारे मे आप और क्या जानते है?	समस्यात्मक

DELTA

Title
Date
Page No. 13

उद्देश्य कथन :- आज हम पर्यावरण के बारे मे विस्तारपूर्वक अध्ययन करेगें।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र क्रिया	प्रविधि सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
पर्यावरण का अर्थ	पर्यावरण शब्द का निर्माण दो शब्दो से मिलकर हुआ है। परि+आवरण, परि का अर्थ "जो हमारे चारो ओर है" आवरण जो हमे चारो ओर से घेरे हुए है। किसी भी जीवित प्राणी के चारो ओर पाए जाने वाले लोग, स्थान वस्तुए एवं प्रकृति को पर्यावरण कहते है। यह प्राकृतिक एवं मानव-निर्मित परिघटनाओ का मिश्रण है। पर्यावरण के जैविक संघटको मे सूक्ष्म जीवाणु से लेकर	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगें।	व्याख्यान विधि	

DELTA

Title ______ Date ______

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र क्रिया	प्रविधि सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	पृथ्वी की ऊपरी परत को क्या कहते है।	स्थलमंडल	प्रश्नोत्तर विधि	
	जल के क्षेत्र को क्या कहते है ?	जलमंडल		
	परितंत किसे कहते है ?	अस्पष्ट		
परितंत्र	परितंत्र या पारिस्थितिकी तंत्र एक प्राकृतिक ईकाई है जिसमें एक क्षेत्र विशेष के सभी जीवधारी, अर्थात पौधे, जानवर और अणुजीव शामिल है जो कि अपने अजैव पर्यावरण के साथ अंतर्क्रिया करके एक संपूर्ण जैविक इकाई बनाते है। इस प्रकार पारितंत्र एक दूसरे पर आश्रित अवयवो की एक ईकाई है जो एक ही आवास को कहते है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे		पारितंत्र या पारिस्थितिकी तंत्र

Title ______ Date ______

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र क्रिया	प्रविधि सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	पारितंत्र आमतौर पर खाद्य जाल बनाते है जो परिस्थितिकी तंत्र के भीतर इन जीवो के अन्योन्याश्रय और ऊर्जा के प्रकार को दिखाते है।			
	पारितंत्र किसकी इकाई है ?	आश्रित अवयवो की एक इकाई है	प्रश्नोत्तर विधि	
	पारितंत्र क्या बनाते है ?	खाद्य जाल		

श्यामपट्ट कार्य :–

निरीक्षण कार्य :- कक्षा ध्यापिक बच्चो से श्यामपट्ट के कार्य को अपनी - अपनी कापी पर लिखने को कहेंगी तथा प्रत्येक विद्यार्थी के पास जाकर उसके कार्य का निरीक्षण करेंगी ।

पुनरावृत्ति प्रश्न :-

रिक्त स्थान की पूर्ति :-

1 किसी भी जीवित प्राणी के चारो ओर पाए जाने वाले लोग, स्थान, वस्तुए एवं प्रकृति को <u>पर्यावरण</u> कहते है ।

2 जीव - जंतु मिलकर <u>प्राकृतिक पर्यावरण</u> बनाते है ।

3 पादप एवं जीव - जंतु मिलकर <u>जैवमंडल</u> का निर्माण करते है ।

4 परितंत्र एक <u>प्राकृतिक</u> इकाई है ।

गृहकार्य :- पर्यावरण को बचाने के पाँच उपाय लिखकर लाइए ।

पाठ योजना - 2

कक्षा :- सातवीं समय :- 35 मिनट
विषय :- भूगोल
उपविषय :- जलवायु

सामान्य उद्देश्य :-

1 छात्रों को भौगोलिक सिद्धान्तों एवं तथ्यों से परिचित कराना ।

2. छात्रों को प्राकृतिक परिस्थितियों से अनुकूलन के लिए प्रशिक्षित कराना ।

3 छात्रो को विश्व नागरिकता का प्रशिक्षण देना ।

4 छात्रों में स्वदेश प्रेम की भावना जाग्रत करना ।

5 छात्रो में मानसिक शक्तियों का विकास करना ।

6 छात्रों को अवकाश के क्षणो का सदुपयोग करने के सुयोग्य बनाना ।

7 छात्रों में भूगोल के प्रति रूचि उत्पन्न करना ।

<u>विशिष्ट उद्देश्य</u> :-

1. ज्ञानात्मक उद्देश्य :- i) छात्र जलवायु के बारे में जान सकेंगे ।
ii) छात्र जलवायु के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे ।

2. बोधात्मक उद्देश्य :- i) छात्र जलवायु के बारे में जानकारी प्राप्त कर

व्याख्या कर सकेंगे।
ii) छात्र जलवायु का वर्गीकरण कर सकेंगे।

3. प्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्र जलवायु को चिन्हित कर अपनी अपनी अभ्यास पुस्तिका में अंकित कर सकेंगे।

पूर्व ज्ञान :- छात्र मौसम के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

सहायक सामग्री :- चॉक, झाड़न, श्यामपट्ट पाठ्य-पुस्तक

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्रमां०	छात्राध्यापिका कथन	छात्रकथन
1	जब पानी जम जाता है तो उसे क्या कहते हैं?	बर्फ
2	बर्फ को छूने पर कैसा महसूस होता है?	ठण्डा
3	ठण्डी, गर्मी, वर्षा आदि क्या है?	मौसम
4	मौसम के दशाओं के लम्बी कालावधि को क्या कहते हैं	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :- आज हम जलवायु के बारे में विस्तृत अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षणबिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	शि०/प्र०	श्यामपट्ट
जलवायु	जलवायु एक विस्तृत एवं व्यापक शब्द है जिससे किसी प्रदेश के दीर्घकालीन मौसम का आभास होता है। इस शब्द की व्युत्पत्ति जल एवं वायु के पारस्परिक सम्मेलन से हुई है। जिसका शाब्दिक अर्थ वायुमण्डल के जल एवं वायु प्रारूप से है। यह शब्द वायुमण्डल के संघटन का घातक है। एक अन्य परिभाषा के अनुसार एक लम्बी कालावधि तक पृथ्वी एवं वायुमण्डल में ऊर्जा एवं पदार्थ के विनिमय की क्रियाओं का प्रतिफल जलवायु है, अत: इसके अन्तर्गत ऊष्मा, आर्द्रता तथा पवन-संचलन जैसी वायुमण्डलीय दशाओं का योग सम्मिलित है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान विधि	वायुमण्डल के जल एवं वायु ऊष्मा, आर्द्रता पवन-संचलन
	प्रश्न			
1	जलवायु किसे कहते हैं।	किसी प्रदेश के दीर्घकालीन मौसम का आभास जल-वायु होता है	प्रश्नोत्तर विधि	

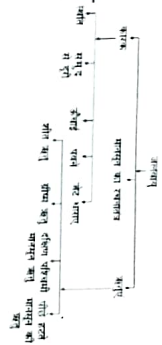

शि० बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	वि०/प्र०	श्यामपट्ट
2	जलवायु के अन्तर्गत कौन - सी मौसम दशाएं आती है ?	ऊष्मा, आर्द्रता, पवन-संचलन आदि।	प्रश्नोत्तर विधि	
3	जलवायु कितने प्रकार का होता है ?	छात्र अनुत्तरित		
जलवायु के प्रकार	विश्व के जलवायु प्रदेशो को छः प्रमुख भागों में विभाजित किया गया है। 1) उष्णकटिबन्धीय आर्द्र जलवायु - जहाँ प्रत्येक महीने का तापमान 18°C से अधिक रहता है। यहाँ वर्ष के अधिकांश भाग में वर्षा होती है। 2) शुष्क जलवायु - इन क्षेत्रों में वर्षा कम और वाष्पीकरण की मात्रा अधिक पाई जाती है। तापमान ऊँचे रहते हैं। 3) सम शीतोष्ण जलवायु - सर्वाधिक शीत वाले महीने तापमान 19° से 03°C तथा सबसे अधिक उष्ण महीने का तापमान 50°C रहता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि	1) उष्ण कटिबन्धीय या आर्द्र 2) शुष्क 3) सम शीतोष्ण जलवायु

शि० बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	वि०/प्र०	श्यामपट्ट
	4) शीतोष्ण आर्द्र जलवायु: जहाँ सबसे अधिक ठण्डे महीने का ताप -3°C तथा सबसे उष्ण महीने का ताप 10°C से कम न रहता है। 5) ध्रुवीय जलवायु प्रत्येक महीने औसत ताप 10°C से कम रहता है। 6) उच्च पर्वतीय जलवायु:- विश्व के अधिक ऊँचे पर्वतों पर पाई जाती है।			4) शीतोष्ण आर्द्र जलवायु 5) ध्रुवीय जलवायु 6) उच्च पर्वतीय जलवायु
1	जलवायु के दो प्रकार बताइए।	1) उष्ण कटिबन्धीय आर्द्र 2) शुष्क	प्रश्नोत्तर विधि	
2	ध्रुवी जलवायु में तापमान कितना होता है ?	10°C से कम		
3	जल० को प्रभावित करने वाले कारक बताइए।	छात्र अनुत्तरित		

शि० बि० / शि० बिन्दु	छात्रा ध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	प्र० / वि०	श्यामपट्ट
जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक	जलवायु को निम्न कारक प्रभावित करते है। i) अक्षांश :- धरातल पर ताप का वितरण अक्षांश के अनुसार होता है। ii) समुद्र तल से ऊंचाई :- समुद्र तल से ऊंचाई जलवायु को प्रभावित करते है, समुद्र तल से ऊंचाई के साथ-साथ तापमान घटता है। iii) पर्वतो की दिशा :- पर्वतो की दिशा तापमान को प्रभावित कर जलवायु को प्रभावित करती है। iv) पवनों की दिशा :- पवनों कि दिशा जलवायु को प्रभावित करती है। ठंडे स्थानों की ओर से आने वाली हवाए ठंडि होती है, तापमान घटा देती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगे।	व्याख्यान विधि	i) अक्षांश ii) समुद्र तल से ऊंचाई iii) पर्वतों की दिशा iv) पवनों की दिशा

बोधात्मक प्रश्न :-

1) जलवायु को प्रभावित करने वाले दो कारक बताइए।

2) पवनों की दिशा किस प्रकार जलवायु को प्रभावित करती है।

DELTA

श्यामपट्ट एवं निरीक्षण कार्य :-

पुनरावृति प्रश्न :-

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :-

1) ऊष्ण कटिबन्धीय आर्द्र जलवायु का तापमान 18°C से अधिक रहता है।

2) शुष्क जलवायु के क्षेत्रो में वर्षा कम और वाष्पीकरण अधिक होता है।

गृह कार्य :-

मौसम तथा जलवायु मे अन्तर लिखिए।

DELTA

पाठ योजना - 3

कक्षा :- छठी
विषय :- भूगोल
उपविषय :- वन

समय :- 5-7 मिनट

सामान्य उद्देश्य :-

1) छात्रों को भौगोलिक सिद्धान्तों एवं तथ्यों से परिचित कराना।

2) छात्रों को प्राकृतिक परिस्थितियों से अनुकूलन के लिए प्रशिक्षित करना।

3) छात्रों को विश्व नागरिकता का प्रशिक्षण देना।

4) छात्रों में स्वदेश प्रेम की भावना जाग्रत करना।

5) छात्रों की मानसिक शक्तियों का विकास करना।

6) छात्रों को अवकाश के क्षणों का सदुपयोग करने के सुयोग्य बनाना।

7) छात्रों में भूगोल के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

1 ज्ञानात्मक उद्देश्य - i) छात्र वन के बारे में जान सकेंगे।

ii) वन के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :- i) छात्र वन के बारे में जानकारी प्राप्त कर व्याख्या कर सकेंगे।

ii) छात्र वन के प्रकारों का वर्गीकरण कर सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- i) छात्र वन के प्रभावों को अभ्यास - पुस्तिका पर चिन्हित कर सकेंगे।

पूर्व ज्ञान :- छात्र वन के बारे में सामान्य जानकारी रखते है।

सहायक सामग्री :- चॉट, चौक

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र० स०	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
1.	आप किस चीज पर बैठे है?	बैंच पर
2.	बैंच किस चीज का बना है?	लकड़ी का
3.	लकड़ी कहा से प्राप्त होती है?	पेड़ो से
4.	वृक्षों के घनत्व वाले क्षेत्र को क्या कहते है।	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आज हम वन के बारे मे विस्तृत अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट
वनो का अर्थ	एक क्षेत्र जहाँ वृक्षों का घनत्व अत्यधिक रहता है उसे वन कहते है। मानव की आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सदैव वनों का दोहन किया जाता है इसलिए वन किसी भी राष्ट्र की अति मूल्यवान सम्पत्ति होते है वनो से उपयोगी लकड़ियाँ प्राप्त होती है। वनो से पृथ्वी का लगभग 9.5% भाग को घेर रखा है। वन जीव-जन्तुओं के लिए आवास स्थल जल-चक्र को प्रभावित करते है तथा मृदा संरक्षण के काम आते है। धरती की 80% वनस्पतियाँ वनों मे पायी जाती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि	वन अति-मूल्यवान सम्पत्ति पृथ्वी का लगभग भाग-9.5% भाग-80% वनस्पति वनों मे पायी जाती है।

1)	वन किसे कहते है।	वह क्षेत्र जहाँ वृक्षों का घनत्व अत्यधिक रहता है		
2)	वनों का दोहन क्यों किया जाता है।	मानव आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु		
3)	वन कितने प्रकार के होते है।	छात्र अनुत्तरित		
वनों के प्रकार	जलवायु की विभिन्न दशाओं और अन्य कारणों से भूमि पर अनेक प्रकार के पेड़-पौधे प्राकृतिक रूप से उग आते है, यही वनों का रूप ले लेते है। वन भौगोलिक वर्गीकरण के आधार पर छः प्रकार के होते है। 1) सदाबहार वन 2) पतझड़ वन 3) शुष्क वन 4) मरुस्थलीय वन 5) ज्वारीय वन 6) पर्वतीय वन सदाबहार वन :- ये वन उन्ही क्षेत्रो मे होते है जहाँ 150 cm से ज्यादा वर्षा होती है। इसके पत्ते	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि	वन छः प्रकार के होते है। 1) सदाबहार 2) पतझड़ 3) शुष्क 4) मरुस्थलीय 5) ज्वारीय 6) पर्वतीय

शि०बि	छात्रा ध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	शि०/वि	श्यामपट्ट
	जहाँ सुखते 14 पतझड़ वन – ये वन उन क्षेत्रों में पाये जाते हैं जहाँ 70 cm से 200 cm तक वर्षा होती है। ये वृक्ष हर वर्ष किसी मौसम में अपने पत्ते गिरा देते हैं। शुष्क वन – ऐसे क्षेत्र जहाँ 100 cm से भी कम वर्षा होती है वहाँ ये वन पाये जाते हैं। मरुस्थलीय वन – इस प्रदेश में वर्षा 50 cm से भी कम होती है। ज्वारीय वन – ये समुद्र तल पर पाये जाते हैं जिन्हें ज्वारों के द्वारा नमी मिलती रहती है। पर्वतीय वन – ये वन पर्वतीय क्षेत्रों में पाये जाते हैं, इसमें अधिकतर झाड़ियाँ व लताएँ ही पायी जाती हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान विधि	
1)	वनों का वर्गीकरण किस आधार पर हुआ।	भौगोलिक आधार	प्रश्नोत्तर विधि	
2)	वन कितने प्रकार का होता है?	छः		
3)	वनों से क्या लाभ मिलता है?			

शिक्षण बिन्दु	छात्रा ध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	प्रविधि सहायक सामग्री	श्यामपट्ट
वनों से लाभ	वनों से मुख्य रूप से दो प्रकार का लाभ होता है। (1) प्रत्यक्ष लाभ (2) अप्रत्यक्ष लाभ। वनों के प्रत्यक्ष लाभ से अनेक प्रकार की व्यावसायिक एवं घरेलू लकड़ियाँ प्राप्त होती हैं। वनों से औषधि एवं जड़ी-बूटियाँ तथा कागज, रबड़ आदि प्राप्त होते हैं तथा वनों के अप्रत्यक्ष लाभ से बाढ़ों को रोकने में बड़ा योगदान होता है। वनों से वर्षा कराने, O_2 तथा तापमान सामान्य करने का लाभ मिलता है। वन मृदा अपरदन रोककर भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान एवं प्रदर्शन विधि	
1)	वन से कितने प्रकार के लाभ होते हैं?	दो तरह के 1) प्रत्यक्ष 2) अप्रत्यक्ष		
2)	वनों के प्रत्यक्ष लाभ क्या हैं?	भोजन, औषधि, लकड़ियाँ आदि।		
3)	वनों के अप्रत्यक्ष लाभ क्या हैं?	वर्षा, O_2 गैस, तापमान सामान्य रखना आदि।		

श्यामपट्ट लेखन एवं निरीक्षण कार्य –

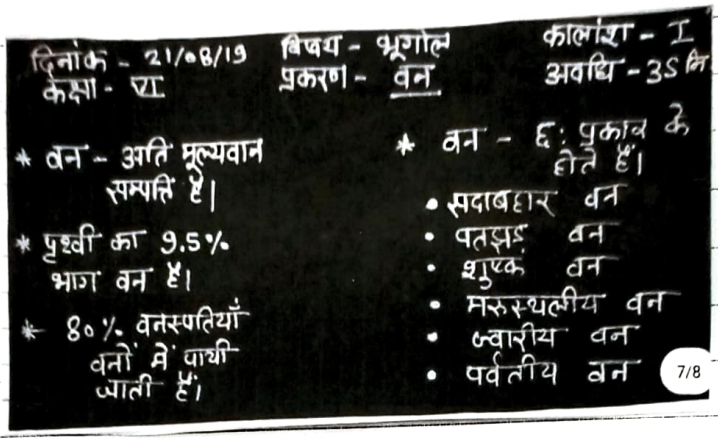

विद्यार्थियों को श्यामपट्ट पर लिखे कार्य को पुस्तिका में लिखने को कहा तथा पूरी कक्षा में घूमकर विद्यार्थियों का निरीक्षण किया।

पुनरावृत्ति प्रश्न :-

1) वनों ने पृथ्वी का कितना भाग घेरा है?
2) धरती की कितनी (%) प्रतिशत वनस्पतियाँ वनों में पायी जाती हैं?
3) ज्वारीय वन किसे कहते हैं?
4) पर्वतीय वन में किस प्रकार के पौधे होते हैं?
5) औषधि किस लाभ के अन्तर्गत आती है?

गृहकार्य :-

वनों के लाभों का विस्तृत वर्णन अपनी अभ्यास-पुस्तिका में करके लाइए।

पाठ योजना – 4

कक्षा → VI
विषय → भूगोल
प्रकरण → झील

समय → 35 मिनट

सामान्य उद्देश्य –

(1) छात्रो को भौगोलिक सिद्धान्तो एवं तथ्यो से परिचित कराना।
(2) छात्रो को प्राकृतिक परिस्थितियो से अनुकूलन के लिए प्रशिक्षित करना।
(3) छात्रो को विश्व नागरिकता का प्रशिक्षण देना।
(4) छात्रो मे स्वदेश प्रेम की भावना जाग्रत करना।
(5) छात्रो की मानसिक शक्ति का विकास करना।
(6) छात्रो मे अवकाश के समय का सदुपयोग करने के योग्य बनाना।
(7) छात्रो मे भूगोल के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

विशिष्ट उद्देश्य
(i) छात्र झील के बारे मे जान सकेंगे।
(ii) छात्र झील के प्रकारो के बारे मे जान सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य → (i) छात्रो को झील तथा उसके प्रकारो की व्याख्या कर सकेंगे।
(ii) छात्रो को झीलो के वर्गीकरण के बारे मे समझाना।

प्रयोगात्मक उद्देश्य → छात्र झीलो को चिन्हित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका पर चिन्हित कर सकेंगे।

पूर्व ज्ञान → छात्र नदी, तालाबो, के बारे मे सामान्य जानकारी रखते है।

सहायक सामग्री → चार्ट, मॉडल, अन्य कक्षा उपयोगी सामग्री

प्रस्तावना प्रश्न →

क्र० सं०	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
(1)	नील ग्रह किसे कहते है?	पृथ्वी
(2)	पृथ्वी पर सबसे अधिक मात्रा मे क्या है?	जल
(3)	जल के कौन-कौन से स्रोत है?	नदी, तालाब, झील आदि,
(4)	झील के बारे मे आप क्या जानते है?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन → आज हम झील के बारे मे विस्तृत अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण →

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	विधि/प्र०	श्यामपट्ट कार्य
झील	झील शब्द लैटिन भाषा के लेकस से बना है जिसका अर्थ होता है पानी का बड़ा हिस्सा। झील जल का वह स्थिर भाग है जो चारों तरफ से स्थलखंडों से घिरा होता है। झीलों की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि उनका पानी खारा व मीठा भी हो सकता है। अधिकतर झीलें समुद्र की सतह से ऊपर पर्वतीय प्रदेशों में पाई जाती हैं। मैदानी भागों में झीलें उन नदियों के पास पाई जाती हैं जिनकी ढाल कम होती है। झीलों में पाया जाने वाला जल मुख्य रूप से वर्षा से, हिम के पिघलने से, तथा झरनों व नदियों से इकट्ठा होता है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि	लेकस अर्थ → पानी का बड़ा हिस्सा; झीलें मीठे व खारे पानी का एक मुख्य स्रोत होगा।

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र कथन	विधि/प्र०	श्यामपट्ट कार्य
(1)	झील लैटिन भाषा के किस शब्द से बना है?	लेकस	प्रश्नोत्तर विधि	
(2)	झील किसे कहते हैं?	जल का स्थिर भाग जो स्थलखंडों से घिरा होता है।		
(3)	झीलों की उत्पत्ति कैसे होती है?	छात्र अनुत्तरित		
झीलों की उत्पत्ति	झील की उत्पत्ति के अनेक कारण होते हैं— हिमानी के कारण → जब हिमानियाँ अपनी पिघलने की अन्तिम अवस्था में आ जाती हैं तब उसमें पाए जाने वाले हिमोढ़ अवरोधक का कार्य करते हैं। जिससे पिघला हुआ पानी ऊबड़, खाबड़, स्थल में एकत्रित होकर झील का आकार ले लेता है। पृथ्वी की हलचलों के कारण → पृथ्वी के अंदर होने वाली हलचलों के कारण कभी-कभी गड्ढों का निर्माण हो जाता है जिसमें जल भरने के कारण झीलों का निर्माण हो जाता है। ज्वालामुखी के कारण → ज्वालामुखी के मुख पर भी जल भर जाने के कारण झीलों का निर्माण हो सकता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि	कारण * हिमानी * पृथ्वी की हलचल * ज्वालामुखी * अवरोध के निक्षेप के कारण

DELTA©

Title
Date

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	विधि/प्र०	श्यामपट्ट कार्य
	अवरोधों के निक्षेप के कारण कभी-2 किसी अवरोध के कारण एक निश्चित स्थान पर जल एक कर एक झील का आकार ले लेता है			
	(i) झीलों की उत्पत्ति के कोई दो कारण बताओ	हिमानी, विवर्तनिकी हलचल		
	(ii) ज्वालामुखी के कारण झीलें कैसे बनती हैं?	ज्वालामुख के मुख पर जल भरने से.		
	झीलों का क्या महत्व है?	छात्र अनुत्तरित		
झीलों का महत्व	झीलों का महत्व निम्न है- झीलें सूखे व बाढ़ के प्रभाव को कम करने में सहायक है। झीलें बड़ी मात्रा में पानी का भंडारण करती है जो कमी के दौरान इसे उपयोग किया जा सके। झीलों का उपयोग सिंचाई स्रोत के रूप में भी किया जा सकता है। झीलों का उपयोग हाइड्रो पॉवर विकसित करने में भी किया जा सकता है। पर्यटन के लिए भी झीलें महत्वपूर्ण होती हैं। मछली पालन में भी उपयोगी है	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि	महत्व * सूखे एवं बाढ़ * सिंचाई * बिजली उत्पादन * मछलियों के लिए * पर्यटन में उपयोगी

Title
Date

बोधात्मक प्रश्न →

(1) झीलों के दो महत्व बताइए।
(2) झील सूखा पड़ने पर किस प्रकार उपयोगी है?

श्यामपट्ट लेखन एवं निरीक्षण कार्य

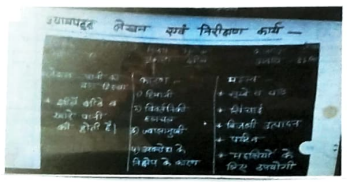

विद्यार्थियों को श्यामपट्ट पर लिखे कार्य को पुस्तिका में लिखने के लिए कहा तथा पूरी कक्षा में घूमकर विद्यार्थियों का निरीक्षण किया।

पुनरावृत्ति प्रश्न →

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

(1) झीलों का जल खारा और मीठा होता है।

(ii) झील बाढ़ और सूखे के प्रभाव को कम करती है।

(iii) झील जल का भंडारण करती है।

DELTA

सही (✓) गलत (×) बताइए
(i) झील सिंचाई के लिए हानिकारक है। (×)
(ii) झील से बिजली उत्पादन किया जा सकता है। (✓)
(iii) झील को देखने पर्यटक नहीं आते हैं। (×)
(iv) झील का जल पी सकते हैं। (✓)

गृहकार्य
झील की उपयोगिता लिखकर लाइए।

पाठ योजना - 5

कक्षा → सातवी
विषय → भूगोल
प्रकरण → पृथ्वी की आंतरिक संरचना
समय → 35 मिनट

सामान्य उद्देश्य →
(1) छात्रों को भौगोलिक सिद्धान्तों एवं तथ्यों से परिचित करना।
(ii) छात्रों को प्राकृतिक परिस्थितियों से अनुकूलन के लिए प्रशिक्षित करना।
(3) छात्रों को विश्व नागरिकता का परिज्ञान देना।
(4) छात्रों मे स्वदेश प्रेम की भावना जाग्रत करना।
(5) छात्रों की मानसिक शक्ति का विकास करना।
(6) छात्रों मे अवकाश के समय का सदुपयोग करने की योग्यता जगाना।
(7) छात्रों मे भूगोल के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य →
(i) छात्र पृथ्वी और उसकी आन्तरिक संरचना के बारे मे ज्ञान प्राप्त करेंगे।
(ii) छात्र भूपर्पटी, मैण्टल तथा क्रोड के बारे मे जान सकेंगे।

(2) बोधात्मक उद्देश्य →
(i) पृथ्वी की आन्तरिक संरचना को समझ सकेंगे।
(ii) छात्र भूपर्पटी तथा मैण्टल के महत्व को समझ सकेंगे।

DELTA®

Title

क्रियात्मक उद्देश्य → (i) छात्र पृथ्वी की आंतरिक संरचना के बारे में तर्क कर सकेंगे।
(ii) छात्र भूपर्पटी का महत्व को लोगों को समझा पायेंगे।

सहायक सामग्री → प्रकरण को दर्शाता चार्ट पेपर, स्केच पेन, रोलर, बोर्ड, आदि

पूर्व ज्ञान → छात्रों को प्रकरण से सम्बंधित तथ्यों की सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना

क्र०सं०	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
1.	बच्चो हमें फल, फूल, सब्जियां और किससे मिलते हैं?	पेड़-पौधों से
2.	पौधे-पेड़ कहाँ उगाये जाते हैं?	मिट्टी में
3.	मिट्टी कहाँ पाई जाती है?	पृथ्वी की ऊपरी सतह पर
4.	भूकम्प तथा ज्वालामुखी आदि पृथ्वी के किस हिस्से से उत्पन्न होते हैं?	पृथ्वी के अन्दर से
(5)	पृथ्वी की अंदर की संरचना या आंतरिक संरचना के बारे में आप क्या जानते हैं?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन → छात्रों आज हम भूगोल विषय के अंतर्गत पृथ्वी की आंतरिक संरचना के बारे में विस्तृत अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

क्र०सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
(1)	पृथ्वी की आंतरिक संरचना	क्रियात्मक प्रश्न: पेड़-पौधों की जड़ें कहा पायी जाती हैं	मिट्टी के अंदर	
		पृथ्वी की आंतरिक संरचना कैसी होती है?	समस्यात्मक	वैज्ञानिकों द्वारा → पृथ्वी की आंतरिक संरचना की जानकारी के लिए भूकम्पीय तरंगों, अन्य पिंडों तथा ज्वालामुखी आधारित स्रोतों को आधार माना गया है
		स्पष्टीकरण → हमारी पृथ्वी सौरमंडल में एक ग्रह है जो आठ ग्रहों में से एक है पृथ्वी की उत्पत्ति के समय यह धूल गैसों और धूल के कणों से बनी आग के दहकते हुए गोले के समान थी करोड़ों वर्ष के बाद पृथ्वी का वायुमंडल बना और भारी वर्षा हुई परिणाम स्वरूप पृथ्वी की ऊपरी परत ठंडी हो गयी परन्तु पृथ्वी आज भी अंदर से बहुत गर्म है पृथ्वी की आंतरिक संरचना की तुलना प्याज से की जा सकती है पृथ्वी भी प्याज की तरह-	सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे।	

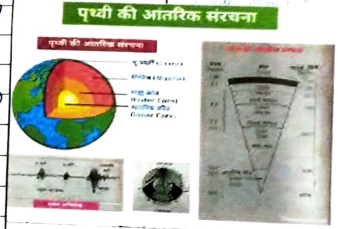

DELTA®

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
		कई परतों से होती है जो कि भिन्न-2 मोटाई की है पृथ्वी की आंतरिक संरचना को ज्ञात करने का मुख्य स्रोत है उल्का पिंड, ज्वालामुखी, भूकंपीय तरंगे है।		पृथ्वी की आंतरिक संरचना
	बोधात्मक प्रश्न	उत्पत्ति के समय पृथ्वी कैसी थी	आग का गोला।	
		पृथ्वी की आंतरिक संरचना की तुलना किस से की जा सकती है	प्याज से।	
	पृथ्वी की विभिन्न परतें	पृथ्वी की ऊपरी परत कैसी है?	कठोर है।	
		पृथ्वी की विभिन्न परतें कौन-2 सी हैं?	समस्यात्मक	
		स्पष्टीकरण → पृथ्वी अंदर से तीन परतों में विभाजित है ① भूपर्पटी ② मैण्टल ③ क्रोड	भूपर्पटी ऊपरी मैण्टल निचला मैण्टल आंतरिक क्रोड बाह्य क्रोड	
		(1) भूपर्पटी → यह पृथ्वी का सबसे ऊपरी भाग है यह पतली व ठोस परत होती है इसकी मोटाई भिन्न-2 स्थानों पर अलग-2 हो सकती है। समुद्र की तलहटी का निर्माण करने वाली भूपर्पटी प्रायः 5-7 किलो-मीटर मोटी होती है जबकि		

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
		महाद्वीपों में इसकी मोटाई 35 कि०मी० तक हो सकती है चट्टानें और मिट्टी भूपर्पटी की सबसे ऊपरी परत का निर्माण करती है इस परत में सिलिका (Si) तथा एल्युमिनियम (Al) की अधिकता के कारण इसे (Sial) भी कहते हैं		भूपर्पटी की मोटाई 0-35 कि०मी०
		(2) मैण्टल → भूपर्पटी के नीचे बहुत अधिक मोटी (2900) कि०मी० तक परत पाई जाती है जिसे मैण्टल कहते हैं इसमें पिघली अवस्था में चट्टानें पाई जाती हैं मैण्टल दो भागों में विभाजित है ऊपरी मैण्टल निचला मैण्टल मैण्टल का ऊपरी 700 कि०मी० तक भाग ऊपरी मैण्टल तथा शेष भाग को निचला मैण्टल कहते हैं। सिलिका (Si) एवं मैग्नीशियम (Mg) की अधिकता के कारण इसे (SiMa) भी कहा जाता है	[illegible]	मैण्टल भूपर्पटी की सतह को मोहो-असातत्य कहते हैं * मैण्टल के ऊपरी भाग को दुर्बलता मण्डल भी कहा जाता है।
		(3) क्रोड → पृथ्वी के सबसे भीतरी भाग को क्रोड कहते हैं इस परत को दो भागों में बाँटा गया है आंतरिक क्रोड तथा बाह्य क्रोड		क्रोड को पृथ्वी के चुम्बकीय क्षेत्र का उत्पादक भी कहा जाता है।

क्र.सं.	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
		बहय कोर तरल अवस्था में है जबकि आंतरिक कोर ठोस अवस्था में है कोर भारी धातु जैसे निकिल (Ni) और लोहा (FE) से बनी होने के कारण इसे निफे (NIFE) भी कहा जाता है। कोर की गहराई 2900 कि.मी. से 6378 कि.मी. तक है		

बोधात्मक प्रश्न →

क्र.सं.	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
		पृथ्वी की विभिन्न परतें कौन-2 सी है ?	भूपर्पटी मेंटल कोर	
		निफे परत किस मे पाई जाती है ?	कोड मे	

पुनरावृत्ति प्रश्न

(1) पृथ्वी कितने परतों से मिलकर बनी है नाम बताइये ?
(2) पृथ्वी की सबसे बाहरी परत को क्या कहते हैं ?
(3) सिपाल किन पदार्थों के मेल से बना है ?
(4) चुम्बकीय क्षेत्र का उत्पादन कौन सी परत करती है ?

DISCUSSION LESSON

Title ____ Date ____
Page No. 33

पाठ योजना – 1

कक्षा – सातवीं
विषय – भूगोल
उपविषय – मृदा

समय :- 35 मिनट

प्रकरण → मृदा (मिट्टी)

सामान्य उद्देश्य →

(i) छात्रों को भूगोल के द्वारा स्थल सम्बंधित तथ्यों की जानकारी देना।
(ii) भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार मानव जीवन को अनुकूल बनाने का ज्ञान प्रदान करना।
(iii) प्राकृतिक सौन्दर्य का सच्चा आनन्द प्राप्त करना।
(iv) छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
(v) छात्रों को सामाजिक विज्ञान की उपयोगिता को बताना।
(vi) छात्रों का सामाजिक एवं मानसिक विकास करना।

(I) विशिष्ट उद्देश्य

* ज्ञानात्मक उद्देश्य →
(i) छात्र मृदा के बारे में जान सकेंगे।
(ii) छात्र मृदा के प्रकार के बारे में जान सकेंगे।

* बोधात्मक उद्देश्य
(i) छात्र मृदा की संरचना को समझ सकेंगे।
(ii) छात्र विभिन्न प्रकार की मृदा में अंतर को समझ सकेंगे।

* क्रियात्मक उद्देश्य →
(i) छात्र मृदा के स्वरूप की व्याख्या कर सकेंगे।
(ii) छात्र मृदा के प्रकार में अन्तर कर सकेंगे।

DELTA®

Title
Date

सहायक सामग्री → मृदा से सम्बंधित चार्ट पेपर, विभिन्न प्रकार की मृदा के नमूने, चॉक, श्यामपट्ट, संकेतक आदि।

पूर्वज्ञान → छात्र मृदा (मिट्टी) के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना

क्र० सं०	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
(1)	हमारे लिए अन्न- अनाज कौन उगाता है	किसान
(2)	किसान अन्न कहाँ उगाता है ?	खेतों में उगाये जाते हैं।
(3)	खेतों में अन्न की फसल उगाने के लिए क्या-2 आवश्यक होता है।	मिट्टी, पानी, सूर्य का प्रकाश, आदि
(4)	मिट्टी को और हम किस नाम से जानते हैं ?	मृदा
(5)	मिट्टी के बारे में आप क्या जानते हैं ?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन → छात्रों आज हम भूगोल विषय के अन्तर्गत मृदा (मिट्टी) के बारे में विस्तृत अध्ययन करेंगे।

Title
Date

प्रस्तुतीकरण

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
(1)	मृदा	प्र० → मृदा के बारे में आप क्या जानते हैं ?	समस्यात्मक	पृथ्वी के ऊपरी सतह पर महीन कणों से बनी पतली परत मृदा कहते हैं
		स्पष्टीकरण → पृथ्वी के ऊपरी सतह पर महीन कणों से बनी हुई पतली परत को 'मृदा' कहते हैं इसमें महीन धूल कणों के अलावा रेत, बजरी, कंकड़, पत्थर खनिज पदार्थ, जैविक पदार्थ हवा तथा जल आदि होते हैं इसके अलावा इसमें जीव-जन्तु तथा पेड़-पौधों के सड़े गले अवशेष भी पाए जाते हैं जिसे ह्यूमस कहते हैं	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	ह्यूमस मृदा उपजाऊ है।
		बोधात्मक प्रश्न		
		(i) पृथ्वी के ऊपरी सतह पर महीन कणों से बनी पतली परत को क्या कहते हैं ?	मृदा या मिट्टी	
		(ii) ह्यूमस मृदा को क्या बनाते हैं ?	उपजाऊ बनाते हैं	
		विकासात्मक प्रश्न		
(2)	मृदा के प्रकार	(i) मृदा में क्या-2 पाया जाता है	कंकड़, रेत, पत्थर आदि	
		(ii) मृदा मुख्य रूप से कितने प्रकार की होती है	समस्यात्मक	
		स्पष्टीकरण → भारत में मुख्यतः छः प्रकार की मृदा पायी जाती है।		

चित्र-1 सतह से नीचे मिट्टी की बनावट

DELTA®

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
(1)		जलोढ़ मृदा → यह सबसे उपजाऊ मृदा होती है यह नदियों द्वारा लाई और अपने साथ बहाकर लाई गई के जमाव के कारण बनती है भारत का उत्तरी विशाल मैदान इसी मृदा से बना है	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	जलोढ़ मृदा में गेहूं, चावल, तम्बाकू आदि उगाया जाता है।
(2)		काली मृदा → लावा की चट्टानों के टूटने-फूटने से इस मिट्टी का निर्माण होता है इसे कपासी या रेगुर मृदा भी कहते हैं		काली मिट्टी * कपास की खेती के लिए उपयुक्त मानी जाती है
(3)		लाल-पीली मृदा → इस मृदा का निर्माण प्राय द्वीपीय पठारी भागों में पुरानी चट्टानों के टूटने से होता है		मृदा गर्म ... भागों में ... कम उपजाऊ होती है
(4)		लेटराइट मृदा → यह मृदा गर्म और अधिक वर्षा वाले स्थानों पर पाई जाती है इनमें पोषक तत्वों का अभाव होता है।		मृदा काजू ... के लिए अच्छी होती है
(5)		शुष्क या मरुस्थलीय मृदा → यह मृदा कम वर्षा वाले क्षेत्रों में पाई जाती है यह मृदा रेतीली व नमकीन होती है इसमें लवण की मात्रा अधिक पाई जाती है।		इस मृदा में नमी नहीं होती है
(6)		पर्वतीय मृदा → यह मृदा पर्वतीय एवं पहाड़ी भागों में पायी जाती है यह मृदा ढालों पर एक पतली परत के रूप में होती है।		यह मृदा गरम मसालों के लिए उपयुक्त मानी जाती है।

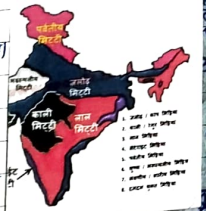

बोधात्मक प्रश्न

(i) सबसे अधिक उपजाऊ मिट्टी कौन सी होती है? → जलोढ़ मृदा

(ii) चाय-कॉफी की खेती के लिए किस मिट्टी को बढ़िया माना गया है? → लेटराइट मृदा

विकासात्मक प्रश्न → (i) जलोढ़ मृदा के निर्माण में सहायक कौन होता है? → नदियां

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
	मृदा संरक्षण तथा अपरदन	(i) मृदा अपरदन तथा मृदा संरक्षण से क्या तात्पर्य है? स्पष्टीकरण → मृदा के कटाव तथा उसके बहाव की प्रक्रिया को "मृदा का अपरदन" कहते हैं इससे मिट्टी का उपजाऊपन कम होता है। मृदा संरक्षण → मृदा अपरदन को रोकना तथा उसकी उपजाऊपन को बनाए रखना "मृदा संरक्षण" कहलाता है।	समस्यात्मक। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	अधिक पेड़ पौधे लगाकर मृदा अपरदन को कम किया जा सकता है।
	बोधात्मक प्रश्न →	(i) मृदा के कटने तथा उसके बहाव की प्रक्रिया को क्या कहते हैं?	मृदा अपरदन	
		(2) मृदा अपरदन को कैसे रोका जा सकता है?	पेड़ लगाकर	

DELTA®

पुनरावृत्ति प्रश्न →

① मृदा से क्या तात्पर्य है?
② मृदा कितने प्रकार की होती है?
③ मृदा अपरदन तथा संरक्षण से क्या तात्पर्य है?

श्यामपट्ट सारांश।

सभी छात्रों को श्यामपट्ट पर लिखे कुछ शब्दों को अपनी पुस्तिका मे लिखने को कहा और घूमकर पूरी कक्षा का निरीक्षण किया -

गृहकार्य → मिट्टी तथा उसके प्रकारों को याद करके आना है?

REAL TEACHING LESSON

पाठ योजना :- 1

कक्षा :- छठी समय :- 35 मिनट
विषय :- भूगोल
उपविषय :- "हमारा सौरमण्डल"

सामान्य उद्देश्य :-

1) छात्रा को भूगोल के द्वारा स्थल सम्बन्धित तथ्यो की जानकारी प्रदान करना।

2) भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार मानव जीवन को अनुकूल बनाने का ज्ञान कराना।

3) प्राकृतिक सौन्दर्य का सच्चा आनन्द प्राप्त कराना

4) छात्रो में भूगोल विषय के प्रति रूचि उत्पन्न कराना।

5) छात्रो का सामाजिक व मानसिक विकास करना।

6) छात्रो को सामाजिक विज्ञान की उपयोगिता को बनाना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

1 ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

i) छात्र सौरमण्डल तथा आकाशीय पिण्डो के बारे में जान सकेगें।

ii) छात्र ग्रह तथा उपग्रह के अन्तर को जान सकेगें।

2. बोधात्मक उद्देश्य :- छात्र सौरमण्डल से सम्बन्धित तथ्यों को समझ सकेंगे।

3. क्रियात्मक उद्देश्य :- छात्र सौरमण्डल के विषय में तर्क कर सकेंगे।

सहायक सामग्री :- चार्ट पेपर, रोलिंग बोर्ड, चाक, संकेतक, डस्टर आदि।

पूर्व ज्ञान :- छात्रों को सौर के विषय में सामान्य जानकारी है।

प्रस्तावना :-

क्र०स०	छात्राध्यापिका कथन	छात्रकथन
1.	हमें प्रकाश कहा से मिलता है?	सूर्य से
2.	सूर्य के चारों ओर कौन चक्कर लगाता है?	ग्रह
3.	कुछ ग्रहों के नाम बताइए?	बुद्ध, शुक्र, पृथ्वी शनि आदि।
4)	बुद्ध, शुक्र, पृथ्वी, शनि आदि सब किस मण्डल के सदस्य है?	सौरमण्डल
5)	सौरमण्डल के बारे मे आप क्या जानते है?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :- बच्चों आज हम लोग भूगोल विषय के अन्तर्गत सौरमण्डल के बारे में विस्तृत अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतिकरण :-

क्र० स०	शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
1	सौर मण्डल	प्र० - सौरमण्डल के बारे में आप क्या जानते हैं?	समस्यात्मक	
		स्पष्टीकरण - सूर्य और उसके चारो ओर घूमने वाले ग्रह उपग्रह, धूमकेत, उल्का, पिण्ड एवं क्षुद्रग्रह मिलकर सौरमण्डल बनाते है।		सूर्य और उसके चारो ओर घूमने वाले ग्रह, उपग्रह, धूमकेतु उल्का पिण्ड एवं क्षुद्रग्रह मिलकर सौरमण्डल बनाते है।
		सौरमण्डल का जन्मदाता सूर्य है जो एक बड़ा तारा है। और पूरे सौरमण्डल को उर्जा एवं प्रकाश प्रदान करता है। सूर्य की उर्जा का स्रोत उसके केन्द्र में आने वाला नाभिकीय संलयन है। सूर्य सौर परिवार का मुखिया होता है।	बच्चे ध्यान से सुनेंगे।	•सूर्य एक बड़ा तारा है जो पूरे सौरमण्डल को उर्जा एवं प्रकाश प्रदान करता है। •सूर्य सौरपरिवार का मुखिया होता है।

सौर मण्डल के ग्रह

बोधात्मक प्रश्न

प्र० सौर परिवार का मुखिया कौन है। — सूर्य है

प्र० सूर्य की ऊर्जा का स्रोत क्या है? — सूर्य के केन्द्र में होने वाली नाभिकीय संलयन प्रक्रिया

विकासात्मक प्रश्न

प्र० सूर्य क्या है? — एक बड़ा तारा है।

प्र० हम सब किस ग्रह पर रहते हैं? — पृथ्वी पर

प्र० हमारे सौर मण्डल में कुल कितने ग्रह हैं? — समस्यात्मक

[redacted]

स्पष्टीकरण :— सूर्य या किसी अन्य तारे के चारों ओर परिक्रमा करने वाले खगोल पिण्डों को ग्रह कहते हैं। हमारे सौर मण्डल में कुछ आठ ग्रह हैं + बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस, और नेपच्यून।

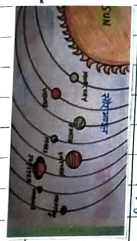

सूर्य से ग्रहों की दूरी के अनुसार उनका क्रम इस प्रकार है :—
① बुध
② शुक्र
③ पृथ्वी
④ मंगल
⑤ बृहस्पति

सूर्य से दूरी के हिसाब से ग्रहों का क्रम इस प्रकार है :—

1) बुध ग्रह सूर्य के सबसे निकट का तथा सौरमण्डल का सबसे छोटा ग्रह है।

2) शुक्र — ग्रह आकाश का सबसे चमकीला एवं गर्म ग्रह है। शुक्र को पृथ्वी का जुड़वा ग्रह भी कहा जाता है।

3) पृथ्वी — पृथ्वी सूर्य का तीसरा निकटतम ग्रह है तथा पांचवा सबसे बड़ा ग्रह है। इसे नीला ग्रह भी कहते हैं तथा इसका एक उपग्रह है, जिसका नाम चन्द्रमा है।

4) मंगल — लौह आक्साइड की उपस्थिति के कारण इसे लाल ग्रह भी कहते हैं।

5) बृहस्पति — यह सौरमण्डल का सबसे बड़ा ग्रह है

6) शनि ग्रह — यह दूसरा बड़ा ग्रह है तथा पीले रंग का होता है।

बच्चे ध्यान से सुनेंगे।

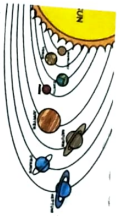

⑥ शनि
⑦ अरुण
⑧ नेपच्यून

बुध सबसे छोटा ग्रह है।

शुक्र सूर्य के सबसे निकट का तथा नेपच्यून सबसे दूर का ग्रह है।

पृथ्वी ग्रह को नीला ग्रह भी कहते हैं।

चन्द्रमा पृथ्वी का एक उपग्रह है।

बृहस्पति सौरमण्डल का सबसे बड़ा ग्रह है।

Page No. 44

1) अरुण ग्रह - मीथेन गैस की उपस्थिति के कारण इसे ग्रीन ग्रह भी कहते हैं।	बच्चे ध्यान से सुनेंगे		अरुण ग्रह पर मीथेन गैस है।
2) नेपच्यून - यह सबसे ठण्डा ग्रह है।			नेपच्यून सबसे ठण्डा तथा शुक्र सबसे गर्म ग्रह है।
बोधात्मक प्रश्न :-			
प्र० - सौरमण्डल का सबसे बड़ा ग्रह कौन सा है।	बृहस्पति		
प्र० - नीला ग्रह किसे ग्रह को कहते है	पृथ्वी		

पुनरावृत्ति प्रश्न :-

1. सौरमण्डल से क्या तात्पर्य है।
2. हमारे सौरमण्डल में कुल कितने ग्रह है ?
3. सबसे बड़ा तथा सबसे छोटा ग्रह कौन है ?

श्यामपट्ट सारांश :-

Page No. 45

गृह कार्य :-

सौरमण्डल के बारे में याद करके आना है।

DELTA©

Title पाठ योजना - 2 Date ____ Page No. 47

कक्षा :- सातवीं समय :- 35 मिनट
विषय :- भूगोल
उपविषय :- ज्वार भाटा

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. छात्रों को भूगोल के द्वारा स्थल सम्बन्धित तथ्यों की जानकारी देना।
3. छात्रो को भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार जीवन जीने का ज्ञान प्रदान करना।
4. छात्रो का सामाजिक एंव मानसिक विकास करना।
5. छात्रो को प्राकृतिक सौन्दर्य का ज्ञान प्रदान करना।
6. छात्रा को सामाजिक विज्ञान की उपयोगिता को बताना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

1. ज्ञानात्मक उद्देश्य :-
   i) छात्र ज्वार-भाटा के बारे में जान सकेंगे।
   ii) छात्र ज्वार-भाटा से होने वाले लाभों से अवगत हो सकेंगे।

2. बोधात्मक उद्देश्य :-
   i) छात्र ज्वार-भाटा की उत्पत्ति को समझ सकेंगे।
   ii) छात्र ज्वार-भाटा के महत्व को समझ सकेंगे।

DELTA©

3. क्रियात्मक उद्देश्य :-

i) छात्र 'ज्वार' तथा 'भाटा' में अन्तर कर सकेंगे।

ii) छात्र ज्वार-भाटा को उपयोगिता को बता सकेंगे।

सहायक सामग्री :-

"प्रकरण से सम्बन्धित चार्ट पेपर, लपेट श्यामपट्ट, चॉक संकेतक आदि।

पूर्व ज्ञान :-

छात्र ज्वार-भाटा के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

क्र.सं.	छात्र अध्यापिका कथन	छात्र कथन
1.	बच्चो! हम किस ग्रह पर रहते हैं?	पृथ्वी पर
2.	पृथ्वी पर सबसे अधिक मात्रा में क्या पाया जाता है।	जल
3.	जल के मुख्य स्रोत कौन-कौन से हैं?	समुद्र, सागर नदी आदि
4.	समुन्द्र के जल में किस तरह की गतियाँ होती हैं?	लहर, ज्वार-भाटा धाराएं तथा सुनामी।
5.	"ज्वार-भाटा" से क्या तात्पर्य है?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :-

छात्रो आज हम लोग भूगोल विषय के अन्तर्गत "ज्वार-भाटा" के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

क्र० स०	शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
1.	ज्वार-भाटा	प्र०- ज्वार-भाटा से क्या तात्पर्य है? स्पष्टीकरण :- ज्वार-भाटा वे सागरीय तरंगे हैं, जो पृथ्वी, चांद, और सूर्य के आकर्षण से उत्पन्न होते हैं। सूर्य का आकर्षण बल चन्द्रमा की अपेक्षा अधिक है, परन्तु पृथ्वी के अत्यधिक निकट होने के कारण चन्द्रमा के आकर्षण बल का प्रभाव; पृथ्वी के सतह पर सूर्य की अपेक्षा अधिक रहता है। सूर्य तथा चन्द्रमा की आकर्षण शक्तियों के कारण सागरीय जल के ऊपर उठकर आगे बढ़ने को 'ज्वार' तथा सागरीय जल के नीचे गिरकर सागर की ओर पीछे लौटने को 'भाटा' कहते हैं।	समस्यात्मक छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	⇒ ज्वार-भाटा चन्द्रमा और सूर्य के पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण बल द्वारा खिंचाव के कारण उत्पन्न होता है। ⇒ एक दिन में प्रत्येक स्थान पर सामान्यतः दो बार 'ज्वार' एवं दो बार भाटा पृथ्वी की घूर्णन के कारण आता है।

	बोधात्मक प्रश्न :-			
	1 प्र० "ज्वार" आता क्या है?	सागरीय तरंगे		
	2 प्र० ज्वार आता दिन में कितनी बार आता है	दो बार		
	विकासात्मक प्रश्न :-			
दीर्घ तथा लघु 'ज्वार'	प्र०:- 'ज्वार' किसे कहते हैं?	सागरीय जल के ऊपर उठकर आगे बढ़ने को ज्वार कहते हैं।		
	प्र०:- दीर्घ तथा लघु ज्वार क्या होता है?	समस्यात्मक		
	स्पष्टीकरण :-			
	दीर्घ ज्वार – अमावस्या और पूर्णिमा के दिन सूर्य, चन्द्रमा और पृथ्वी तीनों एक सीध में होते हैं जिससे सूर्य तथा चन्द्रमा की सम्मिलित आकर्षण शक्ति का प्रभाव पृथ्वी पर पड़ता है। अतः उस समय सबसे अधिक ऊँचे ज्वार आते हैं, जिन्हें दीर्घ ज्वार या वृहद ज्वार कहते हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुने।		⇒ दीर्घ ज्वार समान्य ज्वार से 20% अधिक ऊंचाई के होते हैं। सबसे ऊँचा ज्वार फंडी की खाड़ी (कनाडा) में आती है।

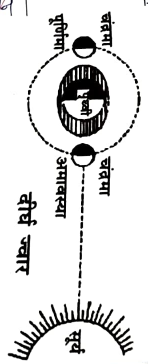

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका	छात्र क्रिया	प्रविधि सहायक सामग्री	श्यामपट्ट
	लघु ज्वार – शुक्ल या कृष्ण पक्ष की सप्तमी या अष्टमी को सूर्य और चन्द्रमा, पृथ्वी के केन्द्र पर समकोण बनाते हैं, जिस कारण सूर्य और चन्द्रमा के आकर्षण बल एक दूसरे के विपरीत कार्य करते हैं। फलतः इस समय उत्पन्न ज्वार औसत से 20% कम ऊंचे होते हैं, इसे लघु या निम्न ज्वार कहते हैं।			लघु ज्वार समान्य ज्वार से 20% कम होता है।
	बोधात्मक प्रश्न :-			
1.	दीर्घ ज्वार के समय सूर्य, पृथ्वी तथा चन्द्रमा की स्थिति कैसी होती है?	तीन एक सीध में होते हैं।		
2.	शुक्ल या कृष्ण पक्ष की सप्तमी या अष्टमी को किस प्रकार का 'ज्वार' आता है।	लघु ज्वार आता है।		

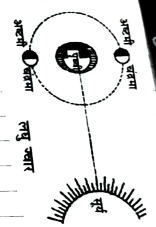

बोधात्मक प्रश्न :-

1	ज्वार के कारण समुन्द्र तट पर पानी की गहराई कैसी होती है?	बढ़ जाती है।
2	ज्वार के कारण समुन्द्रि तट पर क्या आ जाते हैं?	सीप, कौड़िया घेघे तथा मछलियां आदि

पुनरावृत्ति प्रश्न :-

1) "जवार-भाट क्या है ? तथा ये क्यो आते है ?
2) 'दीर्घ ज्वार' तथा लघु ज्वार में क्या अन्दर है ?
3) ज्वार भाटा के कोई दो लाभ बताइये ?

गृह कार्य :- 'ज्वार-भाटा' याद करो

DELTA©

पाठ योजना-3

कक्षा → VI	विषय → भूगोल प्रकरण - भूकम्प	कक्षा VI अवधि - 35 मिनट

सामान्य उद्देश्य →

1. छात्रों को मौलिक सिद्धान्तों एवं तथ्यों से परिचित कराना।
2. छात्रों को प्राकृतिक परिस्थितियों से अनुकूलन के लिए प्रशिक्षित करना।
3. छात्रों को विश्व नागरिकता का प्रशिक्षण देना।
4. छात्रों में स्वदेश प्रेम की भावना जाग्रत करना।
5. छात्रों की मानसिक शक्ति का विकास करना।
6. छात्रों को अवकाश के क्षणों का सदुपयोग करने के लिए योग्य बनाना।
7. छात्रों में भूगोल के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

विशिष्ट उद्देश्य →

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य →

(i) छात्र भूकम्प के बारे में जान सकेंगे।
(ii) छात्र भूकम्प के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।

(2) बोधात्मक उद्देश्य

(i) छात्र भूकम्प के बारे में जानकारी प्राप्त कर व्याख्या कर सकेंगे।
(ii) छात्र भूकम्प के प्रकारों का वर्गीकरण कर सकेंगे।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य → (1) छात्र भूकम्प के प्रभावों को अभ्यास-पुस्तिका पर चिन्हित कर सकेंगे।

(4) पूर्व ज्ञान → छात्र भूकम्प के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं

(5) सहायक सामग्री → चार्ट एवं शिक्षण में अपनी सहायक सामग्री।

(6) प्रस्तावना प्रश्न →

क्र.सं.	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
(1)	सौरमंडल का सबसे बड़ा और चमकता तारा कौन-सा है ?	सूर्य
(2)	सूर्य की परिक्रमा कौन करते है	ग्रह
(3)	सौर मंडल का तीसरा ग्रह कौन सा है	पृथ्वी
(4)	जब पृथ्वी कम्पन करती है तो उसे क्या कहते है !	समस्यात्मक

(7) उद्देश्य कथन → आज हम भूकम्प के बारे में विस्तृत अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण →

बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	विधि	श्यामपट्ट कार्य
भूकम्प	भूकम्प या भूचाल पृथ्वी की सतह के हिलने को कहते है भूकम्प दो शब्दों के मेल से बना है भू + कम्प । जिसमें भू- का अर्थ है पृथ्वी तथा कम्प का अर्थ है काँपना या हिलना होता है। भूकम्प आने के मुख्य दो कारण होते है ① विवर्तनिक कारण ② अविवर्तनिक विवर्तनिक के कारण पृथ्वी के उच्च दाब के कारण पड़ आता है इस अवस्था में पृथ्वी का दाब बहुत बढ़ जाता है और और जमीन के अन्दर की चट्टानें मुड़ कर टूटने लगती है कई बार ज्वालामुखी के फटने के कारण भी भूकम्प आ जाते है	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे,	व्याख्यान विधि	भू + कम्प = पृथ्वी का हिलना या काँपना भूकम्प विवर्तनिक + अविवर्तनिक
	(1) भूकम्प किसे कहते है ?	पृथ्वी की सतह के हिलने को भूकम्प कहते है	प्रश्नोत्तर विधि	

(ii)	भूकम्प के कारण बताइए	① विवर्तनिक (ii) अविवर्तनिक		
(iii)	भूकम्प कितने प्रकार के होते है	हो सकता है छात्र इसका जवाब न दे		
भूकम्प प्रकार	भूकम्प मुख्यत तीन प्रकार के होते है (i) टेक्टोनिक (ii) ज्वालामुखीय (iii) कॉलेप्स	सभी छात्र ध्यान से सुनें	व्याख्यान विधि	भूकम्प के प्रकार टेक्टोनिक ज्वालामुखीय कॉलेप्स
	टेक्टोनिक → पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेट पर होने वाली हलचल टेक्टोनिक भूकम्प के रूप मे जाना जाता है जब कभी-२ प्लेटो का खिसकाव एक दूसरे से दूर जाने के रूप मे और कभी नजदीक आने के रूप मे होता है या तो कभी ये प्लेट आपस मे एक-दूसरे के ऊपर या निचे चढ़ जाती है इस कारण पृथ्वी की ऊपरी सतह पर कम्पन महसूस होता है जो टेक्टोनिक भूकम्प होगा.	सभी छात्र ध्यान से सुनेगे।	व्याख्यान विधि	
	ज्वालामुखीय → कभी-२ ज्वालामुखी के विस्फोट के कारण पृथ्वी की सतह कम्पन महसूस होता है इसे ज्वालामुखीय भूकम्प कहते है			

	कॉलेप्स → यह भूकम्प कभी-२ खादनो मे विस्फोट के कारण होता है जिससे पृथ्वी की ऊपरी सतह हिलने लगती है	① ज्वालामुखीय (ii) टेक्टोनिक (iii) कॉलेप्स	प्रश्नोत्तर विधि
(i)	भूकम्प के तीन प्रकारो के नाम बताइए		
(ii)	ज्वालामुखीय भूकंप किसे कहते है	ज्वालामुखी विस्फोट के कारण	
(iii)	भूकंप के प्रभाव बताइए	छात्र अनुत्तरित	
भूकम्प के प्रभाव	भूकम्प के प्रभावो मे मुख्य रूप से भूमि का फटना, भूस्खलन, सुनामी, बाढ आदि आते है	सभी छात्र ध्यान से सुने	व्याख्यान विधि
	भूमी का फटना → यह मुख्य रूप से इमारतो व अंय कठोर संरचनाओ को हानि पहुचाती है।		
	भूस्खलन → यह पहाड़ी व पर्वतीय इलाको मे हानि पहुचाती है		
	सुनामी → यह समुद्र के पानी को किनारे से काफी दूर तक ले जा सकती है तथा जल जीवो को भी हानि पहुचाती है		

DELTA®

Title   Date
                                                       Page No. 59

	बाढ़ > कोई नीचले स्थलों मे जल-भराव की समस्या आ सकती है			[redacted]
(1)	भूकम्प के प्रभाव बताइए	भूमी का फटना, भूस्खलन, सुनामी, बाढ़, आदि	प्रश्नोत्तर विधि	
(2)	भूस्खलन कहा होता है	पहाड़ी और पर्वतीय क्षेत्रो मे,		
(3)	भूमी के फटने से अधिकतर नुकसान कहा होगा।	इमारते एव कठोर संरचनाओं को।		
(4)	बाढ़ के प्रभाव बताइए	बाढ़ से जल-भराव की स्थिति आ सकती है		
(5)	सुनामी का प्रभाव बताए	यह समुद्र के पानी को काई दूर तक किनारे से आगे ला सकती है और समुद्री जीवो को भी हानी पहुचायगी।		

Title   Date
                                                       Page No. 60

श्यामपट्ट लेखन एव निरीक्षण कार्य >

विद्यार्थियो ~~को~~ श्यामपट्ट पर लिखे कार्य को पुस्तिका मे लिखने को कहे तथा पूरी कक्षा मे घुमकर विद्यार्थियो का निरीक्षण किया।

Title

Date

पाठ योजना - 6

कक्षा :- छठी

विषय :- भूगोल

उपविषय :- ब्रह्माण्ड

समय :- 35 मिनट

प्रकरण → ब्रह्माण्ड

सामान्य उद्देश्य	(1) छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
	(2) छात्रों को भूगोल के द्वारा स्थल सम्बन्धित तथ्यों की जानकारी देना।
	(3) भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार मानव जीवन को अनुकूल बनाने का ज्ञान प्रदान करना।
	(4) प्राकृतिक सौन्दर्य का सच्चा आनन्द प्राप्त करना।
	(5) छात्रों का सामाजिक विकास की उपयोगिता को बताना
	(6) छात्रों का सामाजिक व मानसिक विकास करना।
विशिष्ट उद्देश्य	(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य
	(i) छात्र ब्रह्माण्ड के बारे में जान सकेंगे।
	(2) बोधात्मक उद्देश्य →
	छात्र ब्रह्माण्ड को समझ सकेंगे।
	(3) क्रियात्मक उद्देश्य →
	(i) छात्र ब्रह्माण्ड के बारे में विचार कर सकेंगे।
	(ii) छात्र ब्रह्माण्ड के महत्व के बारे में लोगों से चर्चा कर सकेंगे।

प्रस्तुतीकरण

क्र.सं.	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
(1)	ब्रह्माण्ड	विकासात्मक प्रश्न		
		प्र- सूरज कहाँ दिखाई देता है?	आकाश में	करोड़ों तारों का समूह आकाश गंगा कहलाता है।
		प्र- ब्रह्माण्ड के विषय में आप क्या जानते हैं?	समस्यात्मक	
		स्पष्टीकरण → तारों भरे खुले आकाश में एक ओर से दूसरी ओर तक फैली चौड़ी सफेद पट्टी की तरह चमकदार पथ (मार्ग) दिखाई देता है जो कि करोड़ों तारों का समूह होता है इस पट्टी को आकाश गंगा कहते हैं। हमारी आकाश गंगा का नाम मंदाकिनी है। जो भाग पृथ्वी से दिखाई देता है उसे "मिल्की वे" कहते हैं। इसका आकार सर्पिलाकार तश्तरी जैसा होता है तथा इसमें लगभग एक अरब तारे होते हैं। हमारा सौरमण्डल भी इसी आकाश गंगा का एक भाग है इसी प्रकार की करोड़ों आकाश गंगाएँ मिलकर ब्रह्माण्ड का निर्माण करती हैं	सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे।	करोड़ों आकाश गंगाओं का समूह ब्रह्माण्ड कहलाता है।
		बोधात्मक प्रश्न		
①		हमारी आकाश गंगा का क्या नाम है?	मंदाकिनी	
②		करोड़ों आकाश गंगा मिलकर क्या बनाती हैं	ब्रह्माण्ड का	

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
	ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति	क्रियात्मक प्रश्न (1) आकाश का वह भाग जो पृथ्वी से दिखाई देता है उसे क्या कहते हैं।	मिल्की वे	
		(2) ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति कैसे हुई है?	समस्यात्मक	ब्रह्माण्ड पहले गर्म तथा सघन गैस का गोला था विस्फोट के बाद इसका विस्तार हुआ जो आज भी जारी है।
		स्पष्टीकरण → आज से लगभग 18 अरब वर्ष पूर्व पूरा का पूरा ब्रह्माण्ड एक गर्म और सघन छोटे से गोले के रूप में था अधिक गर्मी के कारण इसमें अचानक विस्फोट हुआ इस विस्फोट को "बिग बैंग" कहा जाता है विस्फोट के बाद ब्रह्माण्ड तेजी से फैलने लगा और यह फैलाव आज भी जारी है इसप्रकार ब्रह्माण्ड निर्माण हुआ।	सभी छात्र ध्यान से सुने	
		ज्ञानात्मक प्रश्न → ब्रह्माण्ड 18 अरब वर्ष पूर्व क्या था?	गर्म [illegible]	
		ब्रह्माण्ड में अचानक हुआ विस्फोट को क्या नाम दिया गया?	बिग- [illegible]	
	निहारिका	क्रियात्मक प्रश्न विस्फोट के कारण ब्रह्माण्ड पर क्या प्रभाव पड़ा	ब्रह्माण्ड तेजी से फैलने लगा	
		निहारिका क्या है?	समस्यात्मक	

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
		स्पष्टीकरण → बिग-बैंग की घटना के कुछ करोड़ वर्षों के बाद तारों और आकाश गंगाओं का निर्माण होने लगा। फलस्वरूप में आकाश गंगाओं का निर्माण। हाइड्रोजन हीलियम गैसों तथा धूल कणों से बने विशाल बादलों के रूप में हुआ है आकाश गंगा बनाने वाले इन बादलों को निहारिका कहते हैं गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव के कारण इन बादलों से गैसीय पिण्ड [illegible] जिनसे तारों का निर्माण प्रार[illegible] हुआ।	सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे।	हाइड्रोजन व हीलियम व धूल कणों से बने बादलों को निहारिका कहते हैं।
		बोधात्मक प्रश्न हाइड्रोजन, हीलियम तथा धूलकणों के विशाल बादल को क्या कहते हैं?	निहारिका।	
		निहारिका किसके निर्माण में सहायक होती है?	तारों की/आकाशगंगा।	

पुनरावृत्ति प्रश्न → (1) बिग-बैंग क्या है?
(2) जो भाग पृथ्वी से दिखाई देता है उसे क्या कहते हैं?
(3) निहारिका क्या है? तथा इसका निर्माण कैसे होता है।

DELTA®

Date
Page No. 79

श्यामपट्ट सारांश।

सभी छात्रों को श्यामपट पर लिखित शब्द को अपनी पुस्तिका मे उतारने को कहा और कक्षा मे घूमकर निरीक्षण किया

गृहकार्य → ब्रह्माण्ड के विषय मे याद करके आओ।

Title
Date
Page No. 80

पाठ योजना - 5

कक्षा :- छठी — समय :- 35-40 मिनट
विषय :- भूगोल
उपविषय :- उपविषय

प्रकरण → ग्लोब - अक्षांश एवं देशान्तर

सामान्य उद्देश्य →
1. छात्रों मे भूगोल विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. भौगोलिक परिस्थियो के अनुसार मानव जीवन को अनुकूल बनाने का ज्ञान प्रदान करना।
3. प्राकृतिक सौन्दर्य का सच्चा आनन्द प्राप्त करना।
4. छात्रों को भूगोल से संबन्धित तथ्यो की जानकारी देना।
5. छात्रों के सामाजिक व मानसिक विकास करना।
6. छात्रों को सामाजिक विज्ञान की उपयोगिता के बारे मे बताना।

ज्ञानात्मक उद्देश्य →
1. छात्र ग्लोब के बारे मे ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. छात्र अक्षांश तथा देशान्तर रेखाओ के बारे मे जान सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य →
1. छात्र ग्लोब की क्रिया विधि को समझ सकेंगे
2. छात्र अक्षांश तथा देशान्तर रेखाओ की उपयोगिता को समझ सकेंगे।

क्रियात्मक उद्देश्य →
1. छात्र ग्लोब की सहायता से पृथ्वी की भौगोलिक दशाओ का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
2. छात्र पृथ्वी पर उपस्थित देशों की यथास्थिति का पता लगा सकेंगे।

DELTA

सहायक सामग्री → ग्लोब, संतरा, मानचित्र, संकलन आदि

पूर्व ज्ञान → सभी छात्र ग्लोब के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना

क्र०सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
1	ग्लोब	और मंडल में कुल कितने ग्रह हैं?	आठ ग्रह हैं।	[redacted]
2		इन आठ ग्रहों में से हम किस ग्रह पर रहते हैं?	पृथ्वी ग्रह पर।	
3		पृथ्वी ग्रह की आकृति कैसी है?	गोल है।	
4		पृथ्वी पर गोल स्वरूप तथा उसपर स्थित भौगोलिक संरचना का अध्ययन हम किसकी मदद से कर सकते हैं?	ग्लोब या मानचित्र के द्वारा	
5		ग्लोब के बारे में आप क्या जानते हैं?	समस्यात्मक	
	उद्देश्य कथन	आज हम इस विषय के अंदर ग्लोब - अक्षांश एवं देशान्तर का अध्ययन करेंगी।		

प्रस्तुतीकरण

क्र०सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
(1)	ग्लोब	प्र०→ ग्लोब से आप क्या समझते हैं? स्पष्टीकरण → ग्लोब पृथ्वी का एक लघु रूप है जिसे (MODEL) या प्रतिरूप भी कहा जाता है ग्लोब स्थिर नहीं होते हैं इन्हें कुम्हार के चाक या लट्टू की तरह घुमाया जाता है ग्लोब पर महाद्वीपों, महासागरों और देशों को उनके सही आकार के अनुसार दिखाया जाता है ग्लोब की सहायता से हम विश्व की कई रोचक बातों को जान सकते हैं. जैसे (i) मौसम व जलवायु परिवर्तन (ii) दिन-रात होने की क्रिया (iii) किसी भी स्थान व देश की स्थिति की सही जानकारी (iv) संसार की समय सारणी की गणना	समस्यात्मक सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे।	ग्लोब पृथ्वी का एक लघु स्वरूप है जो कि एक वास्तविक प्रतिरूप है।
	बोधात्मक प्रश्न			
①		ग्लोब का आकार कैसा होता है?	गोल	
(2)		ग्लोब की सहायता से हम कौन-2 सी बातों को जान सकते हैं?	मौसम व जलवायु में परिवर्तन, रात-दिन का होना,	

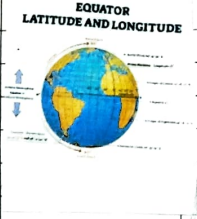

DELTA®

क्र० सं०	शिक्षणबिंदु	छात्राध्यापक कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
	अक्षांश रेखाएं	जिज्ञासात्मक प्रश्न ① पृथ्वी व ग्लोब का आकार कैसा होता है?	गोल है	भूमध्य रेखा सबसे लम्बी है इसकी लम्बाई 40076 km है।
		② पृथ्वी पर कितने ध्रुव पाए जाते हैं	दो, उत्तरी, दक्षिणी,	
		③ अक्षांश रेखा से क्या तात्पर्य है?	(समस्यात्मक)	
		स्पष्टीकरण → पृथ्वी पर किसी भी स्थान का वास्तविक निर्धारण एक काल्पनिक रेखाजाल द्वारा किया जाता है। इन काल्पनिक रेखाओं को अक्षांश एवं देशान्तर रेखाएं कहते हैं। किसी स्थान या बिन्दु की भूमध्य रेखा से उत्तर या दक्षिण की कोणीय दूरी की माप अक्षांश कहते हैं इसे भूमध्य रेखा से ध्रुवों की अंश में मापा जाता है भूमध्य रेखा को शून्य अंश (0°) का अक्षांश माना गया है उत्तरी ध्रुव को 90° अक्षांश तथा दक्षिणी ध्रुव को 90° अक्षांश को दर्शाता है * 23.50 उत्तरी अक्षांश को कर्क रेखा तथा 23.50° दक्षिणी अक्षांश को मकर रेखा कहते हैं * 66.50 उत्तरी अक्षांश को आर्कटिक वृत (रेखा) कहते हैं * 66.50 दक्षिणी अक्षांश रेखा को अन्टार्कटिक वृत (रेखा) कहते हैं	सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे।	→ 90° उत्तरी तथा 90° द० अक्षांश को ... 0 ... है ... रेखा ... अक्षांश ... * अक्षांश रेखाएं समानान्तर रेखा होती हैं

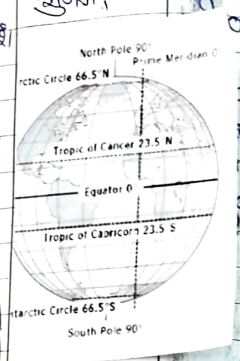

बोधात्मक प्रश्न →

	शिक्षणबिंदु			
①		बोधात्मक प्रश्न 0° अक्षांश से गुजरने वाली रेखा का क्या नाम है	भूमध्य रेखा	
②		भूमध्य रेखा के समान्तर खींची गई अक्षांश रेखाओं की कुल कितनी संख्या है	181	
		जिज्ञासात्मक प्रश्न		
①	देशान्तर रेखाएं	तीन मुख्य अक्षांश रेखाओं के नाम बताइए?	भूमध्य रेखा कर्क रेखा मकर रेखा	
(2)		देशान्तर रेखाओं के बारे में आप क्या जानते हैं?	समस्यात्मक	
		स्पष्टीकरण → ग्लोब पर उत्तर से दक्षिण दोनों भौगोलिक ध्रुवों के बीच खींची हुई है काल्पनिक अर्धवृत्त रेखाओं को देशान्तर रेखाएं कहते हैं सभी देशान्तर रेखाएं अर्ध-वृत्ताकार होती हैं यह समान्तर नहीं होती है उ० तथा द० ध्रुवों पर अभिसरित होकर मिल जाती हैं लन्दन के ग्रीनविच से गुजरने वाली देशान्तर रेखा या ग्रीनविच रेखा या प्रधान याम्योत्तर रेखा कहते हैं।	सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे.	* देशान्तर रेखाएं एक डिग्री के अन्तराल पर खींची गई हैं अत: इनकी संख्या 360 है

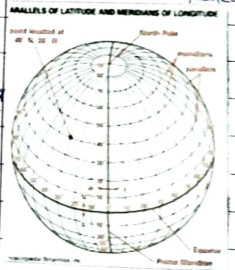

Title

बोधात्मक प्रश्न

① देशान्तर रेखाओं की आकृति कैसी होती है?

→ अर्द्ध वृत्ताकार

② 0° देशान्तर रेखा को और किस नाम से जाना जाता है?

→ ग्रीनविच रेखा

पुनरावृत्ति प्रश्न

① ग्लोब क्या है?

② अक्षांश तथा देशान्तर रेखा से क्या तात्पर्य है?

③ ग्लोब पर कुल कितनी अक्षांश तथा देशान्तर रेखाएं हैं?

④ तीन मुख्य अक्षांश रेखाएं कौन-2 सी हैं?

श्यामपट्ट सारांश

सभी छात्रों को श्यामपट्ट पर लिखित शब्दों को अपनी पुस्तिका में उतारने को कहा और पूरी कक्षा में घूमकर निरीक्षण किया

गृह कार्य → ग्लोब किसे कहते हैं, अक्षांश तथा देशान्तर रेखाओं को कॉपी में बनाकर लाइए

Title

पाठ योजना - 8

कक्षा :- आठवीं　　　समय :- 35-40 मिनट

विषय :- भूगोल

उपविषय :- खनिज सम्पदा

प्रकरण → 'खनिज सम्पदा'

सामान्य उद्देश्य

(i) छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

(ii) छात्रों को भूगोल सम्बन्धित तथ्यों की जानकारी देना।

(iii) छात्रों को भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार जीवन जीने का ज्ञान प्रदान करना।

(iv) छात्रों का सामाजिक व मानसिक विकास करना।

(v) छात्रों को प्राकृतिक सौन्दर्य का ज्ञान प्रदान करना।

(vi) छात्रों को सामाजिक विज्ञान की उपयोगिता को बताना।

विशिष्ट उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य →

① छात्र खनिज सम्पदा के बारे में जान सकेंगे।

② छात्र खनिज संसाधनों के महत्व को जान सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य →

① छात्र खनिज संसाधनों की उत्पत्ति को समझ सकेंगे

② छात्र धात्विक तथा अधात्विक खनिजों के उपयोग को समझ सकेंगे

क्रियात्मक उद्देश्य →

① छात्र धात्विक खनिजों के उपयोग को लोगों के सामने बता सकेंगे।

② छात्र खनिज से उत्पन्न धातुओं का उपयोग दैनिक जीवन में सही से कर सकेंगे।

सहायक सामग्री → प्रकरण से सम्बंधित चार्टपेपर, संकेतक, रोलर, चॉर्ड आदि

पूर्वज्ञान → सभी छात्रों को खनिज सम्पदा के बारे में सामान्य जानकारी है।

प्रस्तावना

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
(१)	खनिज सम्पदा	जहाँ पर धरातल की खुदाई की जाती है उसे क्या कहते है?	खान	
(२)		खानों से क्या निकाला जाता है?	कोयला, कार्य धातु, अभ्रक	
(३)		कोयला, कार्य धातु, अभ्रक आदि किसके अन्तर्गत आते है?	खनिज	
(४)		खनिज सम्पदा/संसाधन के विषय में आप क्या जानते है?	समस्यात्मक	

उद्देश्य कथन → छात्रों आज हम लोग भूगोल विषय के अन्तर्गत 'खनिज सम्पदा' के बारे में विस्तृत अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
(१)	खनिज सम्पदा व संसाधन	प्र०→ खनिज सम्पदा या संसाधन के विषय में आप क्या जानते है?	समस्यात्मक	
		स्पष्टीकरण → खनिज ऐसे भौतिक पदार्थ है जो खानों से खोदकर निकाले जाते है। खनिज पदार्थ प्राकृतिक रूप से उपलब्ध रहते है और इनकी एक निश्चित आंतरिक संरचना होती है खनिज मुख्य रूप से तीन प्रकार के होते है (i) धात्विक खनिज → इसके अंतर्गत लोहा, मैंगनीज, निकिल, सोना, चाँदी टिन, बॉक्साइट आदि आते है (२) अधात्विक खनिज → इसके अंतर्गत अभ्रक, कोबाल्ट, सल्फर, ग्रेनाइट, चूना पत्थर, संगमरमर आदि आते है (३) ऊर्जा खनिज → कोयला, पेट्रोलियम, तथा प्राकृतिक गैस इसके अन्दर आते है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	प्राकृतिक रूप से उपलब्ध है जो प्राय खानों से खोद कर निकाले जाते है तथा इनकी एक आंतरिक संरचना होती है खनिज कहलाते है। खनिज के प्रकार (1) धात्विक (2) अधात्विक (3) ऊर्जा खनिज
		बोधात्मक प्रश्न → खनिज पदार्थ कहाँ से निकाले जाते है?	खानों से,	
		धात्विक खनिज का दो उदाहरण बताइये	लोहा, बॉक्साइट,	

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
		विकासात्मक प्रश्न		
(1)		खनिज संसाधन कितने प्रकार के होते हैं	तीन प्रकार के	
(2)		खनिज के प्रकारों के नाम बताओ	धात्विक, अधात्विक, ऊर्जा	
	धात्विक खनिज	धात्विक खनिजों से आप क्या समझते हैं ?	समस्यात्मक	
		स्पष्टीकरण → वे खनिज जिसमें धातु के अंशों की प्रधानता पाई जाती है उन्हें धात्विक खनिज कहते हैं	सभी छात्र ध्यान से सुनें।	★ यह खनिज ताप व विद्युत के सुचालक होते हैं
		उदाहरण → लौह अयस्क, मैंगनीज, निकिल एवं कोबाल्ट, आदि,-		★ यह खनिज आग्नेय चट्टानों से प्राप्त की जाती है
		(क) लौह धातु → जब लौह धातु अन्य पदार्थों के साथ मिली रहती है तो इसे लौह अयस्क कहते है लौह धातु की मजबूती का आधार मैग्नेटाइट, हेमाटाइट, लिमोनाइट और सिडेराइट में पाया जाता है भारत में उडीसा तथा झारखण्ड में उत्तम किस्म का लौह अयस्क का भण्डार है।		भारत में ★ विश्व का 25% लौह भण्डार है ★ भारत में उडीसा व झारखण्ड में अच्छा लौह अयस्क मिलता है।
		(ख) बाक्साइट → एल्युमिनियम धातु का निष्कर्षण बाक्साइट अयस्क से किया जाता है एल्युमिनियम हल्का, मजबूत, लोचदार व चमकदार होता है इसी कारण इसका उपयोग		★ एल्युमिनियम उडीसा, गुजरात, गोवा, महाराष्ट्र झारखण्ड में अधिक मात्रा में पाया जाता है

क्र० सं०	शिक्षणबिंदु	छात्राध्यापिका कथन	विधि/छात्रक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
		वायुयान, विद्युत तार, मशीनों के कलपुर्जे, पनडुब्बी आदि बनाने में किये जाते हैं		
		(ग) मैंगनीज → इसका उपयोग लौह इस्पात (स्टील) बनाने में चमड़ा, ब्लीचिंग पाउडर, शुष्क बैटरी, शीशा, माचिस आदि उद्योग में किया जाता है		★ मध्यप्रदेश तथा महाराष्ट्र में इसका अधिक उत्पादन होता है
		बोधात्मक प्रश्न →		
		① एल्युमिनियम किससे प्राप्त किया जाता है ?	बाक्साइट अयस्क से	
		② लौह इस्पात (स्टील) बनाने में किस धातु का प्रयोग होता है ?	मैंगनीज का	
		विकासात्मक प्रश्न →		
		① खेती के औजार किस धातु के बनाए जाते हैं	लोहा धातु के	
	अधात्विक खनिज	② अधात्विक खनिज किसे कहते हैं ?	समस्यात्मक	
		स्पष्टीकरण → जिन पदार्थों में लौह धातु या धात्विक अंश नहीं पाए जाते उन्हें अधात्विक खनिज कहते हैं।	सभी छात्र ध्यान से सुनें	
		उदाहरण → अभ्रक, नमक, संगमरमर, पोटाश, नाइट्रोजन आदि		

DELTA©

क्र०सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कार्य	विधि / प्र०	श्यामपट्ट कार्य
		अभ्रक → भारत विश्व में सबसे महत्वपूर्ण अभ्रक उत्पादक है ① अभ्रक चमकीला, हल्का, स्थिर पदार्थ होता है जिसका उपयोग बिजली के उपकरण, वायुयान, उच्च ताप की भट्ठी, कम्प्यूटर आदि में किया जाता है।		अधात्विक खनिज ऊर्जा का उत्पादक होते हैं यह भारत के राजस्थान में पाया जाता है।
	ऊर्जा खनिज	बोधात्मक प्रश्न → ⑥ आप ऊर्जा खनिज से क्या समझते है? स्पष्टीकरण → वह पदार्थ जो किसी न किसी रूप में ऊर्जा का एक संसाधन हो जिसके कारण ऊर्जा उत्पन्न होती हो उसे ऊर्जा खनिज कहते हैं उदाहरण → कोयला प्राकृतिक गैस खनिज तेल आदि है.	समस्यात्मक सभी द्वारा ध्यान से सुने	★ भारत के सर्वाधिक कोयले की खान झारखंड में पाई जाती है
		बोधात्मक प्रश्न → ① अधात्विक खनिज के दो उदाहरण बताइये	अभ्रक, चूना पत्थर	
		② उच्च ताप वाली भट्ठीयों में किस खनिज का प्रयोग किया जाता है?	अभ्रक का	

पुनरावृत्ति प्रश्न →
खनिज संसाधन से क्या तात्पर्य है?
लौह धातु के मुख्य अयस्कों के नाम बताइये?
बॉक्साइट किस धातु का अयस्क है?
शुष्क बैटरी के निर्माण में किस धातु का प्रयोग होता है?
अभ्रक उत्पादन में भारत का कौन सा राज्य मुख्य है?
भारत में सबसे अधिक कोयले की खाने किस राज्य में है?

श्यामपट्ट

सभी छात्रों को श्यामपट्ट के बिन्दुओं को अपनी पुस्तिका में लिखने को कहा और कक्षा में घूमकर निरीक्षण किया

गृहकार्य → खनिज संसाधन किसे कहते हैं? यह कितने प्रकार के होते हैं? उदाहरण सहित याद करके आओ!

पाठ योजना - 4

समय :- 35 मिनट

कक्षा :- आठवीं

विषय :- भूगोल

उपविषय :- संसाधन

प्रकरण → संसाधन

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. छात्रों में भूगोल सम्बंधित तथ्यों की जानकारी देना।
3. छात्रों को भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार जीवन जीने का ज्ञान प्रदान करना।
4. छात्रों का सामाजिक व मानसिक विकास करना
5. छात्रों को प्राकृतिक सौन्दर्य का ज्ञान प्रदान करना
6. छात्रों को सामाजिक जीवन की उपयोगिता को बताना

विशिष्ट उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य

(i) छात्र संसाधन के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
(ii) छात्र विभिन्न प्रकार के संसाधनों से परिचित हो सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य

(i) छात्र विभिन्न संसाधनों को समझ सकेंगे
(ii) छात्र संसाधनों के प्रकार को समझ सकेंगे

क्रियात्मक उद्देश्य

(i) छात्र विभिन्न प्रकारों के संसाधनों का वर्गीकरण कर सकेंगे।
(ii) छात्र संसाधनों के महत्व को लोगों को समझा सकेंगे।

सहायक सामग्री → विभिन्न संसाधनों को प्रदर्शित करता चार्ट पेपर, संकेतक, संसाधनों के मॉडल, श्यामपट्ट, पेपर आदि।

पूर्वज्ञान → छात्र अपने दैनिक जीवन में प्रयोग में आने वाले वस्तुओं के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना →

(1)	संसाधन	हम एक स्थान से दूसरे स्थानों तक जाने में भिन्न-2 का प्रयोग करते हैं	साइकिल, कार, ट्रेन, स्कूटर बस आदि का।	
(2)		साइकिल, ट्रेन, कार, हमारे लिए उपयोगी हैं	हाँ जी।	
(3)		ये सभी किस प्रकार से उपयोगी हैं?	ये हमें आराम/सुविधा देती हैं।	
(4)		जो वस्तुएं हमें सुविधा के साथ हमारी आवश्यकता की पूर्ति करती हैं वह क्या कहलाती हैं	साधन/संसाधन	
(5)		संसाधन क्या होते हैं?	समस्यात्मक	

उद्देश्य कथन → छात्रों आज हम भूगोल के अंतर्गत संसाधन नामक पाठ का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

क्र०सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	विधि/छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
	संसाधन का अर्थ	प्र०→ संसाधन से क्या तात्पर्य है? स्पष्टीकरण → वस्तु या पदार्थ जिसकी उपयोगिता हो संसाधन कहलाते हैं दूसरे शब्दों में संसाधन वो नहीं होते जो प्रकृति से उपहार स्वरूप अथवा विभिन्न वस्तुओं को मनुष्य अपने ज्ञान और तकनीक के प्रयोग से उसे अपने लिए उपयोगी बनाता है जैसे- धरती पर कोयला लाखों वर्षों से था परन्तु कोयले को तब संसाधन कहा जाने लगा जब मनुष्य ने उससे ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता की खोज की। कुछ संसाधनों का आर्थिक मूल्य होता है जबकि कुछ का आर्थिक मूल्य नहीं होता है।	समस्यात्मक छात्र ध्यानपूर्वक सुनें।	★ वह वस्तु या पदार्थ जिसकी उपयोगिता हो वो संसाधन कहलाती है। ★ धातुओं, वस्तुओं का आर्थिक मूल्य होता है ★ पर्वतीय व मरुस्थल का आर्थिक मूल्य नहीं होता है
		बोधात्मक प्रश्न ① जो वस्तु या पदार्थ उपयोगी हो उसे क्या कहते हैं?	संसाधन	
		② क्या धातुओं का आर्थिक मूल्य होता है?	हाँ	

क्र०सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	विधि/छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
		प्र० प्रकृति द्वारा दिये गये संसाधन कौन-२ से हैं?	पेड़-पौधे नदियाँ पर्वत आदि	
	संसाधन के प्रकार	प्र→ कार, बस, आदि क्या प्रकृति द्वारा दिये संसाधन हैं?	नहीं मनुष्य ने बनाए	संसाधन के प्रकार ★ प्राकृतिक ★ मानव निर्मित ★ मानव संसाधन
		संसाधन कितने प्रकार के होते हैं? स्पष्टीकरण → सामान्यतः संसाधन को तीन वर्गों में वर्गीकृत किया गया है (1) प्राकृतिक संसाधन → इसके अंतर्गत सूर्य का प्रकाश, जल, वायु, खनिज पदार्थ, पेड़-पौधे, वन, मृदा आदि आते हैं मानव निर्मित संसाधन → इसके अंतर्गत इमारतें, सड़क, पुल, बाँध, मशीनें, कारखाने, ट्रेन, हवाई जहाज आदि आते हैं। मानव संसाधन → मानव स्वयं भी एक विशिष्ट प्रकार का संसाधन है अतः लोगों को "मानव संसाधन" कहा जाता है।	समस्यात्मक छात्र ध्यान से सुनेंगे।	★ जो संसाधन प्रकृति से उपहार स्वरूप मिले हैं प्राकृतिक संसाधन ★ जो संसाधन मानव द्वारा बनाए जाते हैं उन्हें मानव निर्मित संसाधन कहते हैं ★ मानव भी एक संसाधन का मुख्य रूप है।
		बोधात्मक प्रश्न → ① संसाधन कितने प्रकार के होते हैं?	तीन प्रकार	
		② बाँध, मशीनें, कारखाने आदि किस प्रकार के संसाधन हैं?	मानव निर्मित	

क्र०सं०	शिक्षणबिंदु	छात्राध्यापिका कथन	विधि-छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
		विकासात्मक प्रश्न → कुछ प्राकृतिक संसाधनों के नाम बताइये।	जल, पेड़, वायु आदि	
		प्र० → यदि पृथ्वी पर जल न हो तो हमारा जीवन कैसा हो जायेगा।	हमारा जीवन संकट में पड़ जायेगा।	
	संसाधन संरक्षण	प्र० → संसाधन संरक्षण से क्या तात्पर्य है?	समस्यात्मक	
		स्पष्टीकरण → संसाधन के विवेकपूर्ण अपयोग को ही संसाधन संरक्षण कहते है संसाधन संरक्षण का अर्थ संसाधनों के प्रयोग को पूर्णतः रोकना नहीं है बल्कि इस प्रकार से उपयोग करना है कि वर्तमान पीढ़ी के साथ-2 भावी पीढ़ी भी इससे लाभ प्राप्त कर पाए। ऐसे विकास को सतत पोषणीय विकास कहते हैं।	सभी छात्र ध्यान से सुने।	संसाधनों के विवेकपूर्ण अपयोग को संसाधन संरक्षण कहते है?
		सतत पोषणीय विकास के क्षेत्र → ① पृथ्वी की जीवन शक्ति और विविधता का संरक्षण करना ② प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास न्यूनतम करना। ③ पर्यावरण के प्रति व्यक्तिगत व्यवहार और अभ्यास में परिवर्तन लाना ④ मानव जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना।		

क्र०सं०	शिक्षणबिंदु	छात्राध्यापिका कथन	प्र. विधि / छात्र कथन	श्यामपट्ट कार्य
		विकासात्मक प्रश्न ① संसाधनों के विवेकपूर्ण अपयोग को क्या कहते है?	संसाधन संरक्षण	
		② सतत पोषणीय संसाधन का कोई एक क्षेत्र बताईये?	पृथ्वी की जीवनशक्ति और विविधता का संरक्षण	

पुनरावृत्ति प्रश्न →
① संसाधन से क्या तात्पर्य है?
② संसाधन कितने प्रकार के होते है?
③ संसाधन संरक्षण से क्या तात्पर्य है?

श्यामपट्ट

सभी छात्रों को श्यामपट्ट पर लिखित शब्दों को अपनी पुस्तिका में लिखने को कहा और घूमकर कक्षा का निरीक्षण किया

गृहकार्य
संसाधन किसे कहते है? ये कितने प्रकार के होते है? याद करके आना है।

पाठ योजना - 10

कक्षा - आठवीं समय - 35 मिनट
विषय - भूगोल
उपविषय - पृथ्वी की गतियाँ
प्रकरण -> "पृथ्वी की गतियाँ"

सामान्य उद्देश्य	(1) छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रूचि उत्पन्न करना। (2) छात्रों को ब्रह्माण्ड से सम्बंधित तथ्यों की जानकारी देना (3) छात्रों को भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार जीवन जीने का ज्ञान प्रदान करना। (4) छात्रों का सामाजिक व मानसिक विकास करना। (5) छात्रों को प्राकृतिक सौन्दर्य का ज्ञान प्रदान करना। (6) छात्रों को सामाजिक विज्ञान की उपयोगिता को बताना
विशिष्ट उद्देश्य	(i) छात्र पृथ्वी की गति के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। (ii) छात्र पृथ्वी की दैनिक गति तथा वार्षिक गति के बारे में जान सकेंगे।
बोधात्मक उद्देश्य	(1) छात्र पृथ्वी द्वारा की जाने वाली परिभ्रमण तथा परिक्रमण गति के अंतर को समझ सकेंगे। (2) छात्र दिन व रात होने के कारण को समझ सकेंगे और ऋतु परिवर्तन को समझ पायेंगे।
क्रियात्मक उद्देश्य	(1) छात्र पृथ्वी की गतियाँ जैसे - घूर्णन, या दैनिक गति परिक्रमण या वार्षिक गति से सम्बंधित ज्ञान को अन्य लोगों को बतायेंगे। (2) छात्र दिन व रात होने का प्रयोगात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री -> ग्लोब, टॉर्च, पृथ्वी की गतियों को प्रदर्शित चार्ट पेपर, लपेट, और श्यामपट्ट आदि

पूर्व ज्ञान -> अभी छात्रों को दिन व रात तथा मौसम सम्बंधी होने वाले परिवर्तनों की सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना ->

क्र.सं.	शिक्षण बिंदु	अध्यापिका कथन	छात्र उत्तर	श्यामपट्ट कार्य
1.		हमें प्रकाश कहाँ से प्राप्त होता है?	सूर्य से	
2.		सूर्य के चारों तरफ कौन-2 चक्कर लगाते हैं?	ग्रह	
3		हमारे सौरमंडल में कुल कितने ग्रह हैं?	आठ	
4.		उन ग्रहों के नाम बताइये।	बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण, वरुण	
5.		पृथ्वी की गतियों के बारे में आप क्या जानते हैं?	समस्यात्मक	

उद्देश्य -> आज हम "पृथ्वी की गतियों" के बारे में विस्तृत अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण।

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र क्रिया/प्र०	श्यामपट्ट कार्य
(1)*	पृथ्वी की गतियाँ	विकासात्मक प्रश्न → हम सब किस ग्रह पर रहते हैं	पृथ्वी पर	* पृथ्वी में दो प्रकार की गति होती है। ① घूर्णन ② परिक्रमण
		पृथ्वी की आकृति कैसी है	गोलाकार	
		पृथ्वी की गतियों के बारे में आप क्या जानते हैं?	समस्यात्मक	
		स्पष्टीकरण → पृथ्वी की दो प्रकार की गति होती है → ① घूर्णन ② परिक्रमण	सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे।	* पृथ्वी का अपने अक्ष पर घूर्णन करने को पृथ्वी की दैनिक गति कहते हैं।
		① घूर्णन या परिभ्रमण → पृथ्वी का अपने अक्ष/धुरी पर घूमना घूर्णन कहलाता है। पृथ्वी का अक्ष एक काल्पनिक रेखा है जो दोनों ध्रुवों से होकर जाती है पृथ्वी इसी अक्ष के परित घूर्णन करती है पृथ्वी का अक्ष उसकी कक्षा तल पर बने लम्ब से 23.5° झुका हुआ है इस झुकाव को पृथ्वी का अक्ष का झुकाव कहते हैं पृथ्वी पश्चिम से पूर्व दिशा में घूमते हुए 24 घण्टों में एक घूर्णन पूरा करती है इस समय अवधि को एक पृथ्वी दिवस भी कहते हैं।		* घूर्णन गति के कारण दिन व रात होता है

DELTA®

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	विधि/क्रिया छात्र	श्यामपट्ट
		परिक्रमण → पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमने के साथ-2 दीर्घ वृत्ताकार कक्षा में सूर्य के चारों ओर परिक्रमा भी करती है यह पृथ्वी की परिक्रमण गति कहलाती है पृथ्वी 365¼ दिन में सूर्य की एक परिक्रमा पूरी करती है जिसे एक वर्ष भी कहा जाता है।		* पृथ्वी की परिक्रमण गति को वार्षिक गति भी कहते हैं। * ऋतु परिवर्तन तथा रात-दिन का छोटा-बड़ा होना इसी के कारण है।
		बोधात्मक प्रश्न → ① पृथ्वी की गति कितने प्रकार की होती है?	दो प्रकार की ① घूर्णन ② परिक्रमण	
		② पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा कितने दिनों में करती है?	365¼ दिन 365 दिन 4 घण्टों में	
	पृथ्वी की गतियों के कारण होने वाले प्रमुख परिवर्तन	विकासात्मक प्रश्न ③ पृथ्वी को दैनिक गति में कितना समय लगता है?	24 घण्टे का।	
		④ पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा करने को क्या कहते हैं?	परिक्रमण या वार्षिक गति	
		⑤ पृथ्वी की गतियों के कारण होने वाले प्रमुख परिवर्तन कौन-2 से हैं?	समस्यात्मक	
	(क) घूर्णन या दैनिक गति के कारण	स्पष्टीकरण → पृथ्वी की गतियों के कारण होने वाले परिवर्तन कुछ इस प्रकार के हैं।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	

क्र०सं०	शिक्षणबिंदु	छात्राध्यापिका कथन	विधि/छात्र कार्य	श्यामपट्ट कार्य
		* दिन व रात का होना * सूर्य, चन्द्रमा आदि आकाशीय पिण्ड पूर्व दिशा से पश्चिम दिशा की ओर गति करते हुए प्रतीत होते है.		* इसका मुख्य प्रभाव दिन रात का होना है
	परिक्रमण या वार्षिक गति का प्रभाव	परिक्रमण का प्रभाव- * ऋतु परिवर्तन। * मौसम परिवर्तन। * दिन-रात का छोटा-बड़ा होना। * हवाओं और धाराओं का बदलना * ज्वार भाटा का आना * सूर्य तथा चन्द्रग्रहण का होना। * कर्क व मकर रेखा का निर्धारण। * सूर्य के प्रकाश की तीव्रता मे अंतर होना। * विषुव, अपसौर, तथा उपसौर की स्थिति का होना * ध्रुवो पर छःमाह दिन और छः माह रात होना।		* मौसम का बदलना। * दिन-रात का अंतर * ग्रहणो का कारण * सूर्य के प्रकाश की गति या तीव्रता मे अंतर आदि
		बोधात्मक प्रश्न → * ऋतु व मौसम परिवर्तन किसके कारण होता है	वार्षिकगति	
		* दिन व रात किस गति के कारण होता है?	दैनिक गति	

DELTA©

पुनरावृति प्रश्नः

① पृथ्वी की घूर्णन गति से क्या तात्पर्य है?
② पृथ्वी की परिक्रमण गति से आप क्या समझते है?
③ दिन व रात किस गति के कारण होते है?
④ पृथ्वी अपने अक्ष तल से कितने डिग्री पर झुकी है?
⑤ पृथ्वी को एक दिवस गति मे कितना समय लगता है?

श्यामपट्ट कार्य

सभी छात्रो को श्यामपट्ट पर लिखित वाक्यो को अपनी पुस्तिका मे लिखने को कहा और घूमकर कक्षा का निरीक्षण किया

गृहकार्य →
(1). पृथ्वी की कितनी गतिया है? पृथ्वी की गतियो के कारण होने वाले मुख्य परिवर्तन याद करके आए।

पाठ योजना – 19 समय :– 35 मिनट

कक्षा :– सातवीं
विषय :– भूगोल
उपविषय :– कृषि

प्रकरण → "कृषि"

सामान्य उद्देश्य ÷

छात्रों को मौलिक ज्ञान कराना।
छात्रों को कृषि की उपयोगिता का ज्ञान कराना।
छात्रों की चिंतन शक्ति का विकास करना।
छात्रों मे देश प्रेम की भावना का विकास करना।
छात्रों को भावी विश्व नागरिकता का प्रशिक्षण देना।
छात्रों को सही से जीने योग्य बनाना।
छात्रों मे प्रकृति प्रेम की भावना को बढ़ाना।
छात्रों मे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की भावना का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य ÷

ज्ञानात्मक उद्देश्य

① छात्रों को कृषि के बारे मे ज्ञान प्राप्त कराना।
② छात्र कृषि के बारे मे प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य

① छात्र कृषि के बारे मे जानकारी प्राप्त करके इसकी व्याख्या कर सकेंगे।
② छात्र कृषि के फसलों के बारे मे व्याख्या कर सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य

① छात्र कृषि को मुख्य व्यवसाय बना सकेंगे।
② छात्र कृषि के भागों का प्रदर्शित कर सकेंगे।

सहायक सामग्री – कक्षा संबंधी सहायक सामग्री

पूर्व ज्ञान ÷ सभी छात्र कृषि के बारे मे सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना

प्रस्तावित प्रश्न	सम्भावित उत्तर
हमारे देश का क्या नाम है	भारत
भारत मे सर्वाधिक जनसंख्या कहा निवास करती है	गांव व शहरों मे
गांव के लोग मुख्य रूप से क्या व्यवसाय करते है?	कृषि
कृषि से आप क्या समझते हैं	समस्यात्मक

अध्यापक कथन → भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारत मे 70% जनसंख्या कृषि कार्य करती है और भारत मे 57% भूमि पर कृषि की जाती है देश की राष्ट्र आय का 14% लगभग कृषि से ही आता है यहां पर लगभग सभी प्रकार की फसलें उगाई जाती है :–

उद्देश्य कथन ÷ बच्चो आज हम कृषि के बारे मे अध्ययन करेंगे।

DELTA®

प्रस्तुतिकरण

क्र०सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक कथन	छात्र क्रिया/प्रति	श्यामपट्ट कार्य
	"कृषि"	भारत कैसा देश है?	कृषि प्रधान	
		कृषि के बारे में आप क्या जानते हैं	समस्यात्मक	
		स्पष्टीकरण → भारत एक कृषि प्रधान देश है जहां लगभग 64% लोग कृषि के कार्य से जुड़े हैं यह भारत की अर्थव्यवस्था का एक स्तम्भ है जो भारत की राष्ट्रीय आय का 15% तक का हिस्सा देती है भारत में कई प्रकार की फसलों की उपज की जाती है * खाद्यान्न फसलें → गेहूं, कपास, चना, मटर आदि * नकदी फसलें → गन्ना, कपास तिलहन, तम्बाकू * पेय एवं बागानी फसलें → चाय, कहवा, रबड़, गर्म मसाला,	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	* भारत के 57% भू भाग पर कृषि की जाती है * भारत में 64% लोग कृषि से जुड़े हैं * राष्ट्रीय आय का 15% भाग कृषि से प्राप्त होता है।
		बोधात्मक प्रश्न ① भारत के कितने प्रतिशत भू-भाग पर कृषि की जाती है	57%	
		② नकदी फसल कौन-2 सी होती हैं?	गन्ना, कपास तिलहन, तम्बाकू	

DELTA®

क्र०सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक कथन	छात्र क्रिया/प्र	श्यामपट्ट कार्य
①		बोधात्मक प्रश्न देश के कितने लोग कृषि कार्य करते हैं	64%	
	कृषि फसलें के प्रकार	कृषि की फसलें कितने प्रकार की होती हैं?	समस्यात्मक	फसलें तीन प्रकार की होती हैं रबी, खरीफ, जायद,
		स्पष्टीकरण → फसलें मुख्य रूप से तीन प्रकार की होती हैं * रबी की फसल * खरीफ की फसल * जायद की फसल रबी की फसल → गेहूं, चना, जौ, मटर आदि खरीफ की फसल → धान, मक्का, ज्वार, मूंगफली आदि जायद की फसल → तरबूज खरबूज ककड़ी, आदि -		
		बोधात्मक प्रश्न → ① फसलों के प्रकार के नाम बताइए	रबी, खरीफ जायद	
		② रबी के कौन-2 सी फसलें हैं	* गेहूं चना मटर	
		③ जायद की फसलें बताइए	* तरबूज ककड़ी	

निरीक्षण कार्य → सभी छात्रों को श्यामपट्ट सारांश अपनी अभ्यास पुस्तिका में उतारने को कहा और घूमकर कक्षा कक्ष का निरीक्षण किया

पुनरावृत्तिप्रश्न

1. भारत के कितने प्रतिशत भूभाग पर कृषि की जाती है
2. कृषि फसलें कितने प्रकार की होती हैं?
3. रबी की फसलों के दो नाम बताइए।
4. जायद की फसलों के तीन नाम बताइए।
5. खरीफ में कौन-2 फसलें आती हैं।

गृहकार्य → कृषि व इनकी फसलों पर संक्षिप्त वर्णन करें।

पाठ योजना -12

कक्षा :- सातवी   समय :- 35 मिनट
विषय :- भूगोल
उपविषय :- उद्योग-धन्धे
प्रकरण -> "उद्योग-धन्धे"

सामान्य उद्देश्य

छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
1. छात्रों को भूगोल सम्बंधित तथ्यों की जानकारी देना।
2. छात्रों को भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार जीवन जीने का ज्ञान प्रदान करना।
4. छात्रों का सामाजिक व मानसिक विकास करना।
5. छात्रों को प्राकृतिक सौन्दर्य का ज्ञान प्रदान करना।
6. छात्रों को सामाजिक विज्ञान की उपयोगिता को बताना।

विशिष्ट उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-
i. छात्र विभिन्न उद्योग-धन्धों के बारे में जान सकेंगे।
ii. छात्र उद्योगों के महत्व को जान सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-
1. छात्र लघु, कुटीर तथा वृहद उद्योगों के अंतर को समझ सकेंगे
2. छात्र निजी क्षेत्र में स्थापित किये जाने वाले उद्योगों के बारे में जान सकेंगे।

क्रियात्मक उद्देश्य
1. छात्र विभिन्न उद्योग धन्धों के बारे में तर्क कर सकेंगे।
2. छात्र भविष्य में स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर सकेंगे।

सहायक सामग्री → प्रकरण से सम्बंधित चार्ट पेपर, संकेतक, रोलिंग बोर्ड आदि

पूर्व ज्ञान → छात्रों को उद्योगों के बारे में सामान्य जानकारी है।

प्रस्तावना

क्र० सं०	छात्राध्यापिका कथन	छात्र क्रिया
(1)	कृषि के अन्तर्गत कौन-२ से कार्य आते हैं?	खेती करना, पशु पालन, बागवानी, मत्स्यपालन, मधुमक्खी पालन आदि,
(2)	खेती के दौरान आर्थिक मुनाफा वाली कौन-२ सी फसलें आती जाती हैं	गन्ना, सरसों, सूरजमुखी की खेती, मूंगफली, कपास आदि।
(3)	गन्ना, कपास, सरसों आदि किस प्रकार का माल है	कच्चा माल।
(4)	कृषि के दौरान कच्चे माल का उपयोग कहाँ किया जाता है?	उद्योग-धन्धों में।
(5)	उद्योग-धन्धों के बारे में आप क्या जानते हैं?	समस्यात्मक

कथन उद्देश्य: छात्रों आज हम भूगोल विषय के अंतर्गत उद्योग-धन्धों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे।

क्र०सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
(1)	उद्योग-धन्धे	प्र० उद्योग-धन्धों के बारे में आप क्या जानते हैं? स्पष्टीकरण → किसी विशेष क्षेत्र में भारी-मात्रा में सामान का निर्माण/उत्पादन या वृहद रूप से सेवा प्रदान करने के सुव्यवस्थित कार्य को उद्योग कहते हैं। उद्योग की स्थापना प्रायः उन स्थानों पर की जाती है जहाँ कच्चा माल, यातायात की सुविधा तथा दूरसंचार की सुविधा उपलब्ध हो। उद्योग के कारण गुणवत्ता वाले उत्पाद सस्ते दाम पर प्राप्त होते हैं जिससे लोगों के रहन-सहन के स्तर में सुधार होता है, और जीवन सुविधाजनक होता चला जाता है। उद्योगों को उनके स्तर के अनुसार तीन भागों में बाँटा गया है * लघु * कुटीर * वृहद उद्योग,	समस्यात्मक सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे।	→ किसी भी उद्योग में वस्तु या सेवा के उत्पादन में पूँजी का निवेश किया जाता है। ⇒ उद्योग स्थापित करने के लिए आवश्यक वस्तुएं/चीजें * कच्चा माल * यातायात की सुविधा * दूरसंचार की सुविधा * मजदूर * पूँजी/निवेशक
		बोधात्मक प्रश्न →		
		प्र० उद्योग में वस्तुओं के उत्पादन में किसका विशेष बहुत जरूरी है?	पूँजी का	
		प्र० उद्योग को कितने भागों में बाँटा गया है?	तीन	

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र/प्र/क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
②	लघु कुटीर तथा वृहद उद्योग	क्रियात्मक प्रश्न → प्र० उद्योग को स्थापित करने के लिए जरूरी दो वस्तुओं के नाम बताइए।	कच्चा माल - पूंजी।	
		प्र० लघु, कुटीर, वृहद उद्योगों का आशय को स्पष्ट करें।	समस्यात्मक	
		स्पष्टीकरण → **लघु या हल्के उद्योग** → इन उद्योगों में कम पूंजी, कम एवं श्रमिक के साधन व छोटी-मोटी मशीनों की आवश्यकता है इन उद्योगों में हल्के कच्चे माल का प्रयोग करते हैं। तथा इसमें हल्के उत्पाद का निर्माण किया जाता है उदाहरण → इलेक्ट्रॉनिक सामान, पंखे, साइकिल, छोटे तेल, माचिस, ऊन, खिलौने आदि	सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे।	* लघु उद्योग निजी क्षेत्रों के लगाए जाते हैं।
		कुटीर उद्योग → ये उद्योग श्रमिक अपने घरों में ही स्थापित करते हैं जैसे, कुम्हार, लकड़ी, बांस, पीतल आदि कच्चे माल का प्रयोग होता है खादी, मधुमक्खी पालन, कालीन एवं दरी की बुनाई, रस्सी बनाना, पापड़-अचार बनाना आदि इन उद्योग का उदाहरण है।		* ये उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित होते हैं
		भारी या वृहद उद्योग :- इस प्रकार के उद्योग बड़े पैमाने पर स्थापित किये जाते हैं इनके लिये अधिक पूंजी, कच्चा माल, अधिक भूमि, मशीनों एवं श्रमिकों की-		

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र/प्र/क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
		आवश्यकता होती है। ये उद्योग अधिक मात्रा में वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। उदाहरण → लोहा-इस्पात, सीमेंट, कागज़, रसायनिक खाद, वस्त्र उद्योग, चीनी मिल, वायुयान, तेल शोधन, परमाणु ऊर्जा के कार्य इसके अंदर आते हैं।		* इस प्रकार के उद्योग सरकारी तथा निजी दोनों ही क्षेत्रों में लगाए जा सकते हैं।
		बोधात्मक प्रश्न → ① हल्के कच्चे माल की जरूरत किस प्रकार के उद्योग में होती है?	लघु	
		② वस्त्र उद्योग, रसायनिक खाद किस उद्योग में आते हैं?	भारी/वृहद	
		क्रियात्मक प्रश्न :- जल में यदि अपशिष्ट पदार्थ मिल जाए तो जल कैसा हो जाएगा?	प्रदूषित हो जाएगा।	
③	पर्यावरण एवं उद्योग	उद्योग का पर्यावरण पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ता है?	समस्यात्मक	
*	हानिकारक प्रभाव	स्पष्टीकरण → उद्योग पर्यावरण को मुख्य दो रूपों में प्रभावित करते हैं। ① कच्चे माल के रूप में प्राकृतिक संसाधनों का अधिकाधिक दोहन करके ② अधिक मात्रा में अपशिष्ट पदार्थों का निष्कासन करके।	सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे।	

DELTA

क्र० सं०	शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक कथन	प्र/विधि/क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	हानिकारक प्रभावों से बचाव	(1) उद्योगों को आवासीय क्षेत्रों से दूर स्थापित करना चाहिए। 2. औद्योगिक कचरे को फैलाने से पूर्व उसका शोधन करके। 3. जनिकीय ऊर्जा के उत्पादन वाले उद्योगों से निकले रेडियो धर्मी कचरे का निस्तारण करने से पहले रेडियोधर्मिता विहीन करना। 4. ध्वनि करने वाले मशीनों में ध्वनि शामक यंत्र लगाके। (5) चीनी उद्योग के कचरे को जैविक खाद तैयार करके. 6. अधिक से अधिक छायादार पेड़ लगाकर		[redacted]
		बोधात्मक प्रश्न → (1) उद्योग पर्यावरण पर किस प्रकार का प्रभाव डालते हैं?	हाानिकारक	
		(2) उद्योग के हानिकारक प्रभावों को कम करने के दो उपायों को बताइये	कचरे का शोधन करके पेड़-लगाकर	

पुनरावृत्ति प्रश्न →

(1) उद्योग किसे कहते हैं? ये कितने प्रकार के होते हैं।
(2) लघु उद्योग के चार उदाहरण बताइये?
(3) मधुमक्खी पालन व दरी बनाना किस उद्योग में आते हैं?
(4) उद्योग के हानिकारक दो प्रभावों को बताइये।

श्यामपट्ट कार्य

सभी छात्रों को श्यामपट्ट पर लिखे सारांशों को अपनी पुस्तिका में लिखने को कहा और घूमकर कक्षा-कक्ष का निरीक्षण किया

गृहकार्य →

प्र० उद्योग धन्धे क्या होते हैं? ये कितने प्रकार के होते हैं पढ़ कर आना है।

प्र० अपने घर के आस-पास के उद्योगों की सूची बनाकर लाना है।

OBSERVATION LESSON

पाठ योजना - 1

कक्षा : छठवी　　　　समय : 35 - 40 मिनट
विषय : भूगोल
उपविषय : वर्षा

1 सामान्य सूचना श्यामपट्ट पर दी गई।
2 उपविषय की घोषणा की गई।
3 श्यामपट्ट कार्य सही था।
4 शिक्षण विधि प्रभावशाली थी।
5 कक्षा का वातावरण अनुकूल था।
6 विभागीय पुनरावृत्ति की गई।
7 उदाहरण देकर समझाया गया।
8 साधारण भाषा का प्रयोग किया गया।
9 अंतिम पुनरावृत्ति की गई।
10 गृह कार्य दिया गया।

Observer Sign　　　　Supervisor Sign

Teacher Sign.

पाठ योजना - 2

कक्षा : आठवीं
विषय : हिंदी
उपविषय : संज्ञा

समय : 35-40 मिनट

1 उपविषय की घोषणा की गई।
2 सामान्य सूचना श्यामपट्ट पर दी गई।
3 उदाहरण दे कर समझाया गया।
4 श्यामपट्ट कार्य सही था।
5 शिक्षण विधि प्रभावशाली थी।
6 कक्षा का वातावरण अनुकूल था।
7 विभागीय पुनरावृति की गई।
8 साधारण भाषा का प्रयोग किया गया।
9 अंतिम पुनरावृति की गई।
10 गृहकार्य दिया गया।

Observer Sign

Supervisor Sign

Teacher Sign.

पाठ योजना - 3

कक्षा : सातवीं
विषय : गणित
उपविषय : त्रिभुज का क्षेत्रफल

समय : 35 मिनट

1 पूर्वज्ञान परीक्षण की विधि सही थी।
2 उपविषय की घोषणा की गई
3 सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
4 छात्राध्यापक की आवाज सपाट थी।
5 उदाहरण देकर समझाया गया।
6 कक्षा-कक्ष में नियंत्रण था।
7 श्यामपट्ट कार्य सही था।
8 छात्रों की सहभागिता थी।
9 शिक्षक विधि प्रभावशाली थी।
10 गृह कार्य दिया गया।

Observer Sign

Supervisor Sign

Teacher Sign.

पाठ योजना - 4

कक्षा :- सातवीं समय :- 35 मिनट
विषय :- विज्ञान
उपविषय :- रेशों के प्रकार

1. छात्रों का पूर्व ज्ञान परीक्षण किया गया।
2. प्रश्नों में शुद्धता थी।
3. उपविषय की घोषणा की गई।
4. श्यामपट्ट का प्रयोग किया गया।
5. कक्षा में संतुलन था।
6. चार्ट का प्रयोग हुआ।
7. विभागीय पुनरावृत्ति की गई।
8. प्रश्न उपविषय के अनुकूल थी।
9. कक्षा का वातावरण शांत नहीं था।
10. अंत में गृह कार्य दिया गया।

Supervisor Sign

Observer Sign

Teacher Sign.

पाठ योजना - 5

कक्षा - आठवीं समय :- 35-40 मिनट
विषय - भूगोल
उपविषय - कृषि

1. पूर्वज्ञान परीक्षण किया गया
2. उपविषय की घोषणा की गई
3. बच्चों को भूगोल में कृषि के बारे में समझाया।
4. सहायक सामग्री का उपयोग किया गया,
5. श्यामपट्ट का प्रयोग किया गया।
6. छात्रा अध्यापिका अच्छे प्रकार से बच्चों को समझाया
7. वर्तनी आदि का प्रयोग किया गया।
8. कक्षा शांत था।
9. प्रश्नों में शुद्धता थी।
10. गृह कार्य दिया गया।

Observer Sign

Supervisor Sign

Teacher Sign.

पाठ योजना – 6

कक्षा :– आठवीं   समय :– 35 मिनट
विषय :– हिंदी
उपविषय :– प्रदूषण समस्या

1 छात्रो का पूर्व ज्ञान परीक्षन किया गया।
2 सही समय पर उपविषय की घोषणा की गई।
3 छात्रों को उदाहरण द्वारा समझाय गया।
4 छात्रा अध्यापिका प्रभावशाली नहीं थी।
5 चार्ट का प्रयोग किया गया।
6 कक्षा का वातावरण अनुकूल था।
7 श्यामपट्ट का प्रयोग किया गया।
8 छात्रों का ध्यान रुचिपूर्वक रहा।
9 अंतिम पुनरावृत्ति की गई।
10 भाषा सरल थी।

Observer Sign   Superwiser Sign

Teacher Sign

पाठ योजना – 7

कक्षा : आठवीं   समय : 35 मिनट
विषय : विज्ञान
उपविषय : प्रकाश की किरने

1 पूर्वज्ञान परीक्षण किया गया।
2 सहायक सामग्री का उपयोग किया गया।
3 उपविषय की घोषणा की गई।
4 श्यामपट्ट का प्रयोग किया गया।
5 छात्राध्यापक ने छात्रो की जिज्ञासा बनाई रखी।
6 दिमागीय पुनरावृत्ति की गई।
7 सटीक व सरल भाषा का प्रयोग किया गया।
8 कक्षा में संतुलन वातावरन बना रहा।
9 प्रश्नों द्वारा अभ्यास किया गया।
10 गृह कार्य किया गया।

Observer Sign   Supervise Sign

Teacher Sign

Title   Page No. 143

कक्षा :- सातवीं   समय :- 35-40 मिनट
विषय :- गणित
उपविषय :- Equations Sumes

पूर्वज्ञान परीक्षण किया गया।
1 सहायक सामग्री का इस्तेमाल किया गया
2 उपविषय की घोषणा की गई।
3 श्यामपट्ट का प्रयोग कीया गया।
4 छात्रों की जिज्ञासा बनी रही।
5 सटीक व सरल भाषा का प्रयोग किया गया
6 विभागीय पुनरावृत्ति की गई।
7 कक्षा मे संतुलित वातावरण बना रहा।
8 प्रश्नों द्वारा अभ्यास किया गया।
9 गृह कार्य दिया गया।
10

Observer Sign   Supervisor Sign

Teacher Sign

DELTA®

पाठ योजना - 9

Title   Date
                                                           Page No. 144

कक्षा :- छठवीं   समय :- 35 मिनट
विषय :- हिंदी
उपविषय :- सर्वनाम व उसके भेद

छात्राध्यापिका दोबारा उपविषय की घोषणा की गई
1 प्रश्नों के द्वारा पाठ को प्रारम्भ किया गया।
2 आध्यापिका मे आत्मविश्वास था।
3 पाठ को प्रभावशाली ढंग से समझाया था।
4 श्याम पट्ट का प्रयोग किया गया।
5 अध्यापिका द्वारा चार्ट का प्रयोग किया गया।
6 छात्राध्यापिका द्वारा प्रश्न पूछे गये।
7 कक्षा का वातावरण अनुकूल था।
8 अंतिम पुनरावृत्ति की गई।
9 गृह कार्य दिया गया।
10

Observer Sign   Supervisor Sign

Teacher Sign

DELTA®

पाठ योजना - 10

Title ________ Date ________ Page No. 145

कक्षा :- आठवीं समय :- 35-40 मिनट
विषय :- हिंदी
उपविषय :- लाख की चूड़ियाँ

1 प्रश्नो के द्वारा पाठ को आरम्भ किया गया।
2 सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
3 छात्राध्यापिका की आवाज प्रभावशाली थी।
4 उचित विधि का प्रयोग किया गया।
5 श्यामपट्ट पर चॉक का प्रयोग किया गया।
6 छात्र ने कक्षा मे अनुशासन बनाए हुए थे।
7 पुनरावृति का कार्य भी किया गया।
8 छात्राध्यापिका द्वारा "लाख की चूड़ियाँ" के बारे मे सरल भाषा मे स्पष्टीकरण किया गया।
9 बच्चे ध्यानपूर्वक पाठ को सुन रहे थे।
10 गृहकार्य दिया गया।

Observer Sign Supervisor Sign

Teacher Sign

DELTA®

पाठ योजना - 1

Title ________ Date ________ Page No. 146

कक्षा :- छठीं समय :- 35 मिनट
विषय :- English
उपविषय :- Noun

1 उपविषय की घोषणा की गयी।
2 उचित विधि का प्रयोग किया गया।
3 अध्यापक ने सामग्री का प्रयोग किया।
4 बोध परिक्षण किया गया।
5 अध्यापक की आवाज स्पष्ट तथा पीछे सुनाई देने वाली थी।
6 उचित कौशलों से पढ़ा रहा था।
7 श्यामपट्ट का प्रयोग करके समझाया।
8 छात्रो का मूल्याकन किया गया।
9 कक्षा शांत थी।
10 गृह कार्य भी दिया।

Observer Sign Supervisor Sign

Teacher Sign

DELTA®

पाठ योजना - 2

समय :- 35 मिनट

कक्षा : सातवीं
विषय : भूगोल
उपविषय : वायु

छात्रों का पूर्वज्ञान परीक्षण किया गया।
1 सही समय पर उपविषय की घोषणा की गई।
2 छात्रों को उदाहरण द्वारा समझाया गया।
3 शिक्षक प्रभावशाली था।
4 चार्ट का प्रयोग किया गया।
5 कक्षा का वातावरण अनुकूल था।
6 श्यामपट्ट का प्रयोग किया गया।
7 छात्रों का ध्यान रुचिपूर्वक नहीं था।
8 अंतिम पुनरावृत्ति की गई।
9 भाषा सरल नहीं थी।
10

Observer Sign   Supervisor Sign

Teacher Sign

पाठ योजना - 3

समय :- 35

कक्षा :- छठी
विषय :- विज्ञान
उपविषय :- ऊर्जा

प्रस्तावना प्रश्न सरल व बच्चों के अनुसार था।
1 सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया
2 श्यामपट्ट पर चॉक का प्रयोग किया गया।
3 छात्रों से ऊर्जा के बारे में सवाल पूछे गये
4 कुछ छात्रों ने जवाब दिये कुछ ने नहीं।
5 छात्रों ने कक्षा में अनुशासन बनाये थे।
6 पुनरावृत्ति का कार्य भी किया गया।
7 उचित विधि का प्रयोग किया गया।
8 बच्चों को अच्छे से समझ में आया।
9 गृह कार्य दिया गया।
10

Observer Sign   Supervisor Sign

Teacher Sign

Title पाठ योजना – 4
Date
Page No. 149

कक्षा :- आठवीं समय :- 35 मिनट
विषय :- भूगोल
उपविषय :- संसाधन

1 पूर्वज्ञान परीक्षण किया गया।
2 सहायक सामग्री उपयोग किया गया।
3 उपविषय की घोषणा की गई।
4 श्यामपट्ट का प्रयोग किया गया
5 शिक्षण में छात्रों की जिज्ञासा बनी रही।
6 पुनरावृति की गई।
7 सटीक व सरल भाषा का प्रयोग किया गया।
8 कक्षा में संतुलन वातावरण बना रहा।
9 प्रश्नों द्वारा अभ्यास किया गया।
10 गृह कार्य दिया गया।

Observer Sign Superwiser Sign

Teacher Sign

DELTA©

Title पाठ योजना – 5
Date
Page No. 150

कक्षा :- आठवीं समय :- 40 मिनट
विषय :- हिन्दी
उपविषय :- सुरदास के पद

1 छात्रों को उपविषय की घोषणा की गई।
2 श्यामपट्ट का प्रयोग किया गया।
3 प्रश्नों में शुद्धता थी।
4 कक्षा में संतुलन था।
5 चार्ट का प्रयोग हुआ।
6 विभागीय पुनरावृति की गई।
7 प्रश्न उपविषय के अनुकूल थी
8 कक्षा का वातावरण शांत था
9 बच्चों ने प्रश्न के जवाब दिए।
10 अंत में गृहकार्य दिया गया।

Observer Sign Superwiser Sign

Teacher Sign

DELTA©

कक्षा :- आठवीं   समय :- 35 मि.
विषय :- सामाजिक विज्ञान
उपविषय :- जलवायु

1 पूर्वज्ञान परीक्षण किया गया।
2 सहायक सामग्री का उपयोग किया गया
3 उपविषय की घोषणा की गई।
4 श्यामपट्ट का प्रयोग किया गया।
5 शिक्षण अच्छी प्रकार से किया गया।
6 विभागीय पुनरावृत्ति की गई।
7 सटीक भाषा का प्रयोग किया गया।
8 कक्षा में बच्चे सोर कर रहे थे।
9 प्रश्नों में शुद्धता थी।
10 गृह कार्य दिया गया।

Observer Sign   Supervisor Sign

Teacher Sign.

कक्षा :- आठवीं   समय :- 40 मिनट
विषय :- गणित
उपविषय :- त्रिभुज का क्षेत्रफल

1 पुनरावृत्ति परीक्षण की विधि सही नहीं है।
2 उपविषय की घोषणा की गई।
3 सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
4 अध्यापक की आवाज सपस्त थी।
5 उदाहरण देकर समझाया गया।
6 कक्षा-कक्ष में नियंत्रण था।
7 श्यामपट्ट का कार्य सही नहीं था।
8 छात्रों की सहभागिता थी।
9 शिक्षण विधि प्रभावशाली नहीं थी।
10 गृह कार्य दिया गया।

Observer Sign   Supervisor Sign

Teacher Sign.

पाठ योजना - 8

Page No. 153

कक्षा :- सातवीं
विषय :- हिंदी
उपविषय :- संज्ञा

समय :- 35 मि०

1 सामान्य सूचना श्यामपट्ट पर दी गई
2 उपविषय की घोषणा की गई थी
3 श्यामपट्ट का कार्य छोटे अक्षरों में लिखा
4 बच्चों को देखने में परेशानी हुआ।
5 कक्षा का वातावरण अनुकूल था।
कक्षा विभागीय पुनरावृत्ति की गई
उदाहरण भाषा का प्रयोग किया गया
साधारण बदाट समझाया गया।
अंतिम पुनरावृत्ति की गई।
गृह कार्य दिया गया।

Observer sign

Supervisor sign

Teacher sign

पाठ योजना - 9

Page No. 154

कक्षा :- आठवीं
विषय :- हिंदी
उपविषय :- सर्वनाम

समय :- 35 मिनट

1 अध्यापक ने उपविषय की घोषणा समय पर की गई
2 रोचक प्रश्नों के साथ पाठ को प्रारम्भ किया गया।
3 अध्यापक में आत्मविश्वास था।
4 पाठ को प्रभावशाली ढंग से पढ़ाया था।
5 श्यामपट्ट का समय-समय पर प्रयोग किया गया
6 अध्यापक द्वारा चाक का प्रयोग किया गया।
7 अध्यापक द्वारा प्रश्न पूछे गये।
8 कक्षा में छात्र का वातावरण अनुकूल था।
9 अंतिम पुनरावृत्ति की गई।
10 छात्रों के गृह कार्य भी दिया गया।

Observer sign

Supervisor sign

Teacher sign.

पाठ योजना – 10

Title ________ Date ________ Page No. 155

कक्षा :- छठी — समय :- 35 मिनट
विषय :- भूगोल
उपविषय :- जलवायु

1 अध्यापक के द्वारा उपविषय कि घोषणा कि
2 प्रश्न रोचक पुछा गया।
3 अध्यापक कि आवाज साफ था।
4 पुरे कक्षा मे सुनाइ दिया
5 श्यामपट्ट का समय-समय पर प्रयोग किया।
6 कक्षा शांत था।
7 अंतिम पुनरावृति की गई।
8 पाठ अच्छे से पढ़ाया गया।
9 शिक्षण विधि प्रभावशाली थी।
10 अंत मे गृह कार्य भी दिया गया।

Observer Sign — Supervisor Sign

Teacher sign.

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका	छात्र क्रिया	प्रविधि सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	कीड़े-मकोड़े सभी जीव-जंतु और पेड़-पौधे आ जाते हैं और इसके साथ ही उससे जुड़ी सारी जैव क्रियाएं और प्रक्रियाएं भी।			
	पर्यावरण शब्द का निर्माण किन दो शब्दों से मिलकर हुआ है?	परि + आवरण	प्रश्नोत्तर विधि	
	पर्यावरण किन दो परिघटनाओं का मिश्रण है?	प्राकृतिक मानव निर्मित		
	पर्यावरण कितने प्रकार का होता है?	अस्पष्ट		
पर्यावरण के प्रकार	पर्यावरण के दो प्रकार होते हैं - प्राकृतिक पर्यावरण, मानवीय पर्यावरण। भूमि, जल, वायु, पेड़-पौधे, जीव जंतु मिलकर प्राकृतिक पर्यावरण बनाते हैं पृथ्वी की ऊपरी परत को स्थलमंडल कहते हैं यह चट्टानों एवं खनिजों से बना	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान विधि	पर्यावरण के प्रकार प्राकृतिक पर्यावरण / मानवी पर्यावरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र क्रिया	प्रविधि सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	होता है। स्थलमंडल वह क्षेत्र है जो हमें वह, कृषि, मानव बस्तियों के लिए भूमि प्रदान करता है। जल के क्षेत्र को जलमंडल कहते हैं। यह जल के विभिन्न स्त्रोतों जैसे नदी, झील, समुद्रों से मिलकर बना है पृथ्वी की चारों ओर फैली वायु की पतली परत को वायुमंडल कहते हैं। पादप एवं जीव-जंतु मिलकर जैवमंडल या संजीव संसार का निर्मन करते हैं मानव अपने पर्यावरण के साथ पारस्परिक क्रिया करता है।			
	उसमें आवश्यकता अनुसार परिवर्तन करता है उसे मानवीय पर्यावरण कहते हैं।			

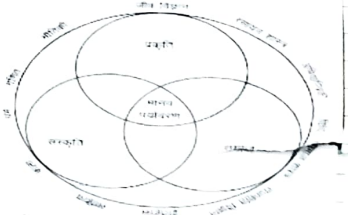

पर्यावरण अध्ययन की बहु विषयी प्रकृति दर्शाता चित्र